आज का सुविचार

यदि हम गिरते हैं तो अधिक अच्छी तरह चलने का रहस्य सीख जाते हैं।
- अरविन्द

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-35 भोपाल, गुरुवार 16 दिसम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

पंचांग

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष
त्रयोदशी, गुरुवार 22
विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:54/5:36
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	47 %
वायु (किमी/घं.)	05
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट
प्रति 10 ग्राम/1तोला
₹ 49,440

शेयर सूचकांक

बीएसई	57788.03	-329.06
निफ्टी	17221.40	-103.50

सरकार का पलटवार- गलत सूचना न फैलाए विपक्ष, अभी जांच नहीं हुई है पूरी

लखीमपुर खीरी केस पर विपक्ष का हंगामा, सदन को करना पड़ा स्थगित

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

राहुल गांधी ने आज लखीमपुर खीरी के मामले को लेकर संसद में स्थगन प्रस्ताव दिया है. इस बीच कांग्रेस ने बुधवार को राज्यसभा में उपस्थित रहने के लिए मंगलवार को पार्टी सांसदों को व्हिप जारी किया है. पार्टी के मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने कहा, कल कई महत्वपूर्ण मुद्दे बहस के लिए राज्यसभा में उठाए जाएंगे. राज्यसभा में कांग्रेस के सभी सदस्यों से सुबह 11 बजे से सदन स्थगित होने तक उपस्थित रहने का आग्रह किया जाता है. वहीं, राज्यसभा के मनोनीत सांसद और पूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया रंजन गोगोई के जब मन चाहें तब संसद जाऊ वाले बयान पर भी बहस जारी है. कई विपक्षी दल उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन के प्रस्ताव का नोटिस लेकर आए हैं.

लोकसभा कल तक स्थगित

गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी के इस्तीफे की मांग के साथ विपक्ष ने जमकर हंगामा किया, जिसके चलते लोकसभा गुरुवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दिया गया है.

लखीमपुर खीरी मामले पर विरोध

बीजेपी नेता और लोकसभा सांसद जगदंबिका पाल ने लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में संसद में हंगामे पर एनडीटीवी से कहा कि लखीमपुर खीरी हिंसा मामला कोर्ट में Subjudice है. इस पर संसद में चर्चा कैसे हो सकती है? वहीं टीएमसी सांसद सौगत रे ने कहा कि सरकार को इस मामले में आई SIT की रिपोर्ट पर स्पष्टीकरण जारी करना चाहिए, जिसमें किसानों पर गाड़ी चढ़ाने की घटना को सुनियोजित साजिश बताया गया है. उन्होंने गृह राज्य मंत्री अजय सिंह टेनी का इस्तीफा भी मांगा.

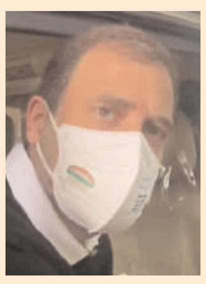

राहुल गांधी बोले, हम मंत्री का इस्तीफा चाहते हैं

लखीमपुर खीरी मामले में SIT रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने संसद में कहा, स्पष्ट हो गया है कि यह साजिश है. हम मंत्री (अजय मिश्रा टेनी) का इस्तीफा चाहते हैं लेकिन पीएम तैयार नहीं हैं. हम इस मामले में सरकार का दबाव बनाते रहेंगे. जिस तरह दबाव बढ़ाने की वजह से तीनों कानून वापस किए गए, गृह राज्य मंत्री को भी इस्तीफा देना होगा. यह कहना गलत है कि मामला कोर्ट में है इसलिए संसद में चर्चा नहीं हो सकती.

चर्चा कराने को तैयार नहीं सरकार

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में कहा कि चूंकि लखीमपुर खीरी केस अभी न्यायिक मामला है, ऐसे में संसद में इसपर चर्चा कराने का सवाल ही नहीं है.
संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी लखीमपुर खीरी केस पर राहुल गांधी के स्थगन प्रस्ताव को लेकर बोले कि अभी नोटिस दे रहे हैं, यह अच्छी बात है. वो सुधर तो गए हैं देखेंगे. नियम के तहत जो होगा. यह मामला सुप्रीम कोर्ट में भी है.

सांसदों के निलंबल मुद्दे पर एकजुट विपक्ष

अनुशासनहीनता के आरोप में शीतकालीन सत्र की शेष अवधि से 12 सांसदों के निलंबन के मुद्दे पर विपक्ष एकजुट हो रहा है. मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इस मामले में रणनीति बनाने के लिए एनसीपी, डीएमके और शिवसेना के नेताओं से चर्चा की थी. सूत्रों ने बताया कि एनसीपी के नेता शरद पवार, शिवसेना नेता संजय राउत, डीएमके के टीआर बालू, वाम दलों के नेता सीताराम येचुरी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारुक अब्दुल्ला बैठक में पहुंचे थे. जानकारी थी कि राहुल गांधी भी बैठक में उपस्थित थे.

सरकार का पलटवार

लखीमपुर हिंसा पर विपक्ष द्वारा हंगामा करने के बाद सरकार का जवाब सामने आया है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने पलटवार करते हुए कहा है कि लखीमपुर हिंसा पर विपक्ष झूठ फैलाने की कोशिश कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर अभी जांच चल रही है ऐसे में संसद केनियम के अनुसार इस मुद्दे पर चर्चा नहीं की जा सकती है।

बेरोजगारी पर हरीश रावत की भाजपा को खुली बहस की चुनौती

देहरादून। उत्तराखंड में अगले साल की शुरूआत में निर्धारित विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस की प्रदेश चुनाव प्रचार समिति के अध्यक्ष हरीश रावत ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को अब तक की सबसे भ्रष्ट सरकार बताया और उसे बेरोजगारी के मुददे पर खुली बहस की को चुनौती दी। कांग्रेस महासचिव रावत ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि वर्तमान में राज्य में नौ लाख बेरोजगार युवा हैं जबकि राज्य सरकार बेरोजगारी से निपटने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में कई प्रकार के दावे कर रही है। उन्होंने कहा, मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि उनके सभी मुख्यमंत्री और मंत्री यहां किसी पार्क में आएं और इस मुददे पर मेरे साथ बहस करें। मैं इसके लिए तैयार हूं। पूर्व मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार के लिए कतई बर्दाश्त न करने की नीति का ढिंढोरा पीटने के बावजूद लोकायुक्त के मुददे पर कुछ न करने का भी आरोप लगाया और कहा कि सत्ता में आने पर कांग्रेस पंचायतों को भी लोकायुक्त के दायरे में लाएगी जिससे सरकारी धन का इस्तेमाल लोगों के कल्याण के लिए हो। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के तौर पर उन्होंने एक खनन नीति बनायी थी और अगर कांग्रेस 2022 में सत्ता में आयी तो उसे लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में हो रहे अनियंत्रित अवैध खनन की जांच कराने का भी वादा किया। रावत ने राज्य सरकार से विधानसभा चुनावों से पहले प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर एक श्वेत पत्र जारी करने को भी कहा।

लड़की के नाम की आइडी बना करते थे दोस्ती, 2 गिरफ्तार

पानीपत। हरियाण के पानीपत जिले में पुलिस ने ऐसे गिरोह के दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जो इंटरनेट मीडिया पर लड़की के नाम की फर्जी फेसबुक आइडी बना पहले फ्रेंड रिकवेस्ट भेज दोस्ती करते और फिर अश्लील वीडियो बनाकर पैसे ऐंठते थे। आरोपित राजस्थान के रहने वाले हैं। आरोपित रिजवान निवासी ओलन्दा व मोहम्मद वकील निवासी कैथवाड़ा, भरतपुर राजस्थान का रहने वाला है। सीआईए-वन प्रभारी इंस्पेक्टर राजपाल सिंह ने बताया कि सोशल मिडिया पर लड़की के नाम से फर्जी फेसबुक अकांउट बना फ्रेंड रिक्वेस्ट भेज अश्लील वीडियो बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है।

लूट और हत्या के प्रयास के आरोपी को 10 साल की सजा

दतिया। विशेष न्यायाधीश जी सी शर्मा ने 10 साल पहले भांडा रोड पर गठित हुई लूट की घटना के मामले में आरोपी संजू यादव को 10 साल की कारावास और ?2000 के अर्थदंड से दंडित किया है। आरोपी संजू यादव ने उर्मिला और उसके देवर की बाइक रोककर पर सोने-चांदी के गहने लूट लिए थे ।

सिल्वर मेडल विजेता को गृहमंत्री ने किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

दतिया विधानसभा क्षेत्र में बसई के होनहार नौजवान अरविंद परिहार ने हैदराबाद में आयोजित थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप के अंडर 19 वर्ग में सिल्वर मेडल जीतकर दतिया और प्रदेश को गौरवान्वित किया है। आज सुबह भोपाल में चि.अरविंद और उनके पिता श्री रिंकू परिहार से डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने मुलाकात कर उन्हें श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का प्रतीक भेंट कर सम्मानित किया। गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने आज कहा कि, ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह जी के निधन से मन आहत है। देश सेवा में उनका योगदान और बलिदान सदैव याद रखा जाएगा। ईश्वर उनकी पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दे व उनके परिजन को यह असीम दुख सहन करने की शक्ति दे। मेरे जैसे अनेक कार्यकर्ताओं को गढ़ने वाले श्रद्धेय भगवत शरण माथुर जी का निधन पूरे भाजपा परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मैं उनके श्रीचरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं और ईश्वर से पुण्य आत्मा को अपने चरणों में स्थान देने की प्रार्थना करता हूं। कांग्रेस पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि, मंदिर-मंदिर दर्शन करने वाली श्रीमती प्रियंका गांधी और केदारनाथ की यात्रा करने वाले कमलनाथ जी की भावनाओं को उमंग सिंघार जी के बयान से जरूर ठेस पहुंची होगी।

ईडी निदेशक का कार्यकाल बढ़ाने वाले विधेयक को मिली संसद की मंजूरी

नई दिल्ली। संसद ने केंद्रीय सतर्कता आयोग (संशोधन) विधेयक को मंजूरी दे दी। इसमें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निदेशक के कार्यकाल को वर्तमान दो वर्ष से बढ़ाकर पांच वर्ष तक किये जाने का प्रस्ताव है। राज्यसभा में ध्वनिमत से इस विधेयक के पारित होने के साथ ही इसे संसद की मंजूरी मिल गई। लोकसभा में यह विधेयक नौ दिसंबर को पारित हुआ था। राज्यसभा में विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कार्मिक, लोक शिकायत, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह ने कहा कि इस विधेयक को पारित करने का फैसला कर उच्च सदन ने देश को भ्रष्टाचार से मुक्त करने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्ध कोशिशों का साथ दिया है। उन्होंने कहा कि 26 मई, 2014 को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल की पहली ही बैठक में नरेंद्र मोदी ने काले धन के खिलाफ विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का फैसला किया था। उन्होंने कहा, ''इस निर्णय के द्वारा प्रधानमंत्री ने देश में यह संदेश भेजा कि एक संकल्प से सिद्धि की यात्रा का प्रारंभ हुआ है। आज मैं देख सकता हूं कि हम उस संकल्प की सिद्धि की यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव पर खड़े हैं और लोकतंत्र के सर्वोच्च मंदिर ने इस पर मुहर लगाकर मान्यता दी है। मुझे खुशी है कि आज उच्च सदन ने इस विधेयक को पारित करने का फैसला किया है। और देश को भ्रष्टाचार से मुक्त करने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्ध कोशिशों का साथ दिया है।'' सिंह ने कहा कि इस विधेयक को लाने का मकसद तो सदन ने इसे पारित करके पूरा कर दिया।

धरती पर अथाह जल स्त्रोत अंटार्कटिका पर मंडरा रहा खतरा

मुंबई समेत दुनिया के तटीय शहरों के कई इलाके डूब सकते पानी में

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वॉशिंगटन।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगले 5 साल में अंटार्कटिका ग्लेशियर टूट जाएगा ।इससे दुनियाभर के समुद्र में जलस्?तर 25 इंच तक बढ़ जाएगा ।धरती पर अथाह जल के स्त्रोत अंटार्कटिका पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है। इसके थ्वाइट्स ग्लेशियर में लंबा दरार आना शुरू हो गया है ।यह ग्लेशियर 170,312 किमी लंबा है, जो अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य के बराबर है। ऐसे में मुंबई समेत दुनिया के तटीय शहरों के कई इलाके पानी में डूब सकते हैं। जारी किए गए नए डेटा से पता चलता है कि महासागरों के गर्म होने से थ्वाइट्स ईस्टर्न आइस शेल्फ़ पनडुब्बी शोल या बैंक पर अपनी पकड़ खो रही है, जो इसे बाकी ग्लेशियर में बनाए रखने के लिए एक पिनिंग पॉइंट के रूप में काम करता है ।विशेषज्ञों ने कहा कि इस थवेट्स ग्लेशियर में आ रही दरार की गति बहुत ज्यादा है ।इस बर्फ से निकला पानी वैश्विक स्तर पर समुद्र में जलस्तर में कुल बढ़ोतरी का 4 प्रतिशत होगा।

प्रेमिका को गिफ्ट के लिए 2 मेडिकल छात्रों ने की ज्वेलर्स की दुकान में चोरी

शिकायत के बाद पुलिस ने जांच में दोनों आरोपी स्टूडेंट्स को किया गिरफ्तार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज पुणे।

गर्लफ्रेंड को गिफ्ट देने के लिए ज्वेलर्स की दुकान से दो मेडिकल स्टूडेंट्स (छात्रों) ने चोरी की। दुकान मालिक की शिकायत के बाद पुलिस ने जांच की, जिसके बाद दोनों आरोपी स्टूडेंट्स को ?पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, पुणे शहर के हडपसर और कोथरुड के ज्वेलर्स की दुकान में सोने की अंगूठियों की चोरी हो गई थी। दुकान मालिक ने जब अंगूठियों की गिनती की तो उसमें कम थीं। इसके

बाद सीसीटीवी में देखने पर मामला समझ में आया। तब उन्होंने पुलिस से शिकायत की। सहायक पुलिस आयुक्त बजरंग देसाई के अनुसार, हडपसर के एक ज्वेलर्स की दुकान में 8 दिसंबर की दोपहर चोरी करने वाले 23 वर्षीय अनिकेत हणमंत रोकड़े लातूर निवासी और वाशिम में रहने वाले संजय जगताप बीएससी नर्सिंग के तीसरे वर्ष के स्टूडेंट हैं। दोनों नशे के आदी हैं और अपनी दोस्त को गिफ्ट देने के लिए पैसे नहीं होने के कारण दोनों ने चोरी की। सहायक पुलिस आयुक्त ने बताया कि दोनों ने हडपसर और कोथरुड के ज्वेलर्स में चोरी करने का सोचा। दोनों में से एक व्यक्ति ज्वेलर्स में गया और दूसरा बाहर बाइक पर रहा। दूसरा छात्र अंगूठी खरीदने का कहकर ट्रे में रखी अंगूठियां हाथ में लेकर देखता और नज़र बचाकर वहां से भाग खड़ा हुआ। दोनों जगह इसी तरह चोरी कर दोनों ने 4 अंगूठियां, जिनका वजन 36 ग्राम से ज़्यादा है, चुरा लीं।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

आईटीडीसी Classifieds

वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/ बेचना

बेचना है कर्मशियल परमिशन स्पेस 2400 पर 8500 वर्गफुट बना, राजीव गाँधी नगर , अयोध्या बाइपास रोड भोपाल , पार्क फेसिंग हॉस्पिटल/ गेस्टहाउस हेतु उपयुक्त 6264244558,8269287852

प्लाट मात्र 10,9000 हजार में 600 वर्गफीट अति शीघ्र बेचना है नीलबड की प्राइम लोकेशन पर रोड बिजली पानी तुरंत घर बनाए I 8319937948, 7999291701

For Sale 1800 Sqft Plot @ Crystal Smart City & 3BHK Flat 1800 sqft @ Rudraksh Phase-1, Bawadiyakalan. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. 32, Zone-1, M.P. Nagar ,- 7000122016, 9425666664

नए भोपाल की प्राइम लोकेशन बावड़िया कला, मिसरोद, गुलमोहर, शाहपुरा, होशंगाबाद रोड, दानिश नगर, कोलार में प्रोपटी खरीदने/ बेचने हेतु संपर्क करे सुपर प्रोपटी -8871551117

बेचना है कोलार मेंन रोड जानकी अपार्टमेंट कवर्ड केंपस में फर्स्ट फ्लोर पर बड़ा फ्लेट 3 बैडरूम, एक हाल, दो बालकनी, दो लेटबाथ, पार्किंग, संपर्क- 7974670574

नए भोपाल में स्थित सभी प्रकार की रेसीडेंशियल/कमर्शियल/इंडस्ट्रियल प्रोपटी/ वेयर हॉउस खरीदने-बेचने व रेंटल सर्विस हेतु संपर्क करे:- अनिल प्रोपटीज अरेरा कॉलोनी मो. 9893164317

2 BHK Flat For Sale 800 sqft 1st Floor 24 hrs Water electricity Parking prime location of saket nagar 9A near AllMS hospital price 25 lakh – 70007509

For sale 968/1452/4305 Sqft Plots at Misrod Phase 1-2 3 BHK Flat 1417 Sqft For Sale at Coral Woods Hoshangabad road. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. – 7000122016, 9425666664

शीघ्र बेचना है 2बीएचके पेंटहाउस 110sqft बिल्डअप,1000sqft ओपन टेरेस के साथ कवर्ड केम्पस बावडिया कला के पास, दानिश चोराहा, कीमत 34.96 लाख. संपर्क 9039059071, 9285559071

ITDC प्रॉपर्टी/ रेन्ट पर

37 वैशाली नगर कोटरा भोपाल का प्रथम तल, तीन कमरे, हॉल किराये से देना है किराया 14000 शर्मा लॉ चेंबर पुरानी विधानसभा संपर्क – 7000035422

For Rent 2bhk fully furnished in Gulmohar Colony Rent 15000/- Contact @ 8962643902

E-3/258 अरेरा कोलोनी में ग्राउंड फ्लोर पर 2BHK, 1BHK अलग–अलग फेमिली हेतु किराये से देना है संपर्क:- 7000735468, 9425601374(कावलकर)

किराये से -3 B H K फ्लेट Lakeview प्राइम लोकेशन Kohefiza में लिफ्ट, पानी, पार्किंग, किचिन, सर्व सुविधालयुक्त, 8817437959

४BHK platinum Plaza माता मंदिर, Orange 64, 5th फ्लोट, लिफ्ट सुविधा बैंक या शासकीय कर्मचारी की प्राथमिक, संपर्क करे 9893303141

कि राये से देना है प्रथम मंजिल पर होल करीब 2500 वर्गफीट सराफा बाजार बेरागढ़ में जिम, कोचिंग हेतु उपुक्त 9303132326, 7374498931

MAHADEV PROPERTY CONSULTANT:WE Require 1200/2100 sqft Commerical and 1000/1200/1500/2100sqft Residential Plot in Danishkunj and 1000/1500/2100sqft Residential Plot in danishhills, 9425008779

१st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

३BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

ITDC JOB आवश्यकता

कोचिंग आवश्यकता: COUNESLERS, टेलीकॉलर FRESHERS, कंप्यूटर ऑपरेटर, SOCIAL MEDIA, मार्केटिंग मैनेजर, FACULTIES: गणित, ENGLISH, फिजिक्स, GS, केमिस्ट्री, PD, फिजिकल ट्रेनर, प्राइमरी, मिडिल TEACHERS: 799993477, 9826910161,

Urgently required field/ sales executive (Male/ Female) for Ecommerce shop registration work Walkin – TVS Tower, Near Jalsa Hotel, Mp nagar Zone -2, Bhopal. 7869917700, 7509888155

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as “BHOOMI PAL”. This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x **10**cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLENCE
8cms(W) x **10**cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x **10**cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC JOB आवश्यकता

Required School Development Manager (Sales) on Fixed & Incentive basis. Location– Guna, Rajgharh, Sehore, Vidisha & Bhopal. call or what's app at 8850388123

NETBOON Pvt Ltd leading E-commerce Organization in Jawahar Chowk Bhopal urgent hiring for Photoshop Editors-3, Web Content Writers-5, Online Sales telecalling Executives-5, must be fluent in English, Contact HR Dept- 9755065290, 9893014112

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क D K 3 / 1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN 60 SECONDS
AIR
TRAIN
BUS

JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

ITDC
VACANCIES

खबर की खबर

चार धाम प्रोजेक्ट को सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी

सुप्रीम कोर्ट ने चारधाम प्रोजेक्ट मामले में ऑल वेदर रूट के तहत बन रही सड़क को 10 मीटर चौड़ी करने की केंद्र सरकार की मांग को मंजूरी दे दी है। कोर्ट ने कहा कि हालिया घटनाओं से देश की सीमाओं पर भारतीय सेना के लिए चुनौतियां बढ़ी हैं, इसलिए उसकी जरूरतों को नजरंदाज नहीं किया जा सकता।

सुनवाई के दौरान रक्षा मंत्रालय का कहना था कि इस सड़क के निर्माण से भारत की फौज को सीमा तक टैंक और हथियारों के साथ पहुंचने में काफी आसानी होगी और पर्वतीय क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

18 जनवरी को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर कोर्ट से हाई पावर्ड कमेटी के बहुमत के दृष्टिकोण को स्वीकार करने का आग्रह किया था, जिसने 12 हजार करोड़ के चार धाम राजमार्ग प्रोजेक्ट के लिए 10 मीटर सड़क की चौड़ाई का समर्थन किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने 2 दिसंबर 2020 को हाई पावर्ड कमेटी को निर्देश दिया था कि वो उत्तराखंड में चारधाम प्रोजेक्ट के लिए सड़क की चौड़ाई बढ़ाने को लेकर रक्षा मंत्रालय और सड़क परिवहन मंत्रालय के आवेदनों पर नए सिरे से विचार करे।

कोर्ट ने कमेटी को निर्देश दिया था कि वो सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क के चौड़ीकरण और चारधाम प्रोजेक्ट के मसले पर नए सिरे से विचार कर रिपोर्ट दाखिल करे।

कोर्ट ने 8 सितंबर 2020 को पक्की सड़क की चौड़ाई साढ़े पांच मीटर और दोनों तरफ डेढ़-डेढ़ मीटर कच्चा फुटपाथ बनाने की इजाजत दे दी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि 2018 के सर्कुलर के मुताबिक चलें। चारधाम प्रोजेक्ट में उत्तराखंड के चार शहरों यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ को सभी मौसम के अनुकूल सड़कों से जोड़ने की योजना है।

इसके तहत उत्तराखंड में 900 किलोमीटर लंबे नेशनल हाईवे का निर्माण किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद हर मौसम में चार धाम की यात्रा की जा सकेगी।

खबर, केवल खबर होती है
आपका अखबार है
सटीक, सच्ची, सारगर्भित,
खबर की तह तक,
ख़बरें वही,
जो आपकी जरुरत
PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज़ ब्रीफ

आरआईएल देश की सबसे बड़ी संपत्ति सृजक

मुंबई। तेल से लेकर दूरसंचार क्षेत्र की दिग्गज रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे बड़ी संपत्ति सृजक के तौर पर उभरी है और पिछले पांच साल में उसने 9.6 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति जोड़ी है। मोतीलाल ओसवाल के 26वें सालाना संपत्ति सृजन अध्ययन से यह जानकारी मिली। इस तरह से मुकेश अंबानी के नियंत्रण वाली कंपनी ने 2014-19 के दौरान सृजित 5.6 लाख करोड़ रुपये के अपने पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। मौजूदा अध्ययन वित्त वर्ष 2016 से 2021 की अवधि को कवर करता है और संपत्ति सृजन के लिहाज से 100 अग्रणी कंपनियों को घटते हुए क्रम में रैंकिंग देता है, जो बीएसई सेंसेक्स के मुकाबले कंपनी के शेयर के उम्दा प्रदर्शन पर आधारित है। साथ ही 100 अग्रणी कंपनियों को इस अवधि में कीमत में सालाना चक्रवृद्धि के लिहाज से हुई बढ़ोतरी के मुताबिक भी रैंकिंग दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे बड़ी संपत्ति सृजक के तौर पर रिलायंस का फिर से उभरना फिजिकल व डिजिटल, दोनों तरह की ताकत को प्रतिबिंबित करता है। तेल से लेकर केमिकल और खुदरा कारोबार मजबूती से हाजिर तौर पर जमा हुआ है जबकि दूरसंचार कारोबार डिजिटल है। मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज के चेयरमैन रामदेव अग्रवाल ने कहा, आरआईएल के पास नकदी प्रवाह का ठोस प्रबंधन है और वह सही तरीके पुनर्निवेश कर रही है और दुनिया को मात देने वाला कारोबार खड़ा कर रही है। 100 अग्रणी संपत्ति सृजक कंपनियों ने पिछले पांच साल में 71 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति सृजित की, जो पिछले 26 पंचवर्षीय अवधि का सर्वोच्च आंकड़ा है। इनका रिटर्न 25 फीसदी सालाना चक्रवृद्धि के हिसाब से रहा जबकि बीएसई सेंसेक्स का 14 फीसदी। अदाणी समूह की दो कंपनियों अदाणी ट्रांसमिशन व अदाणी एंटरप्राइजेज क्रमशः सबसे तेज गति से संपत्ति सृजन (कीमत में सालाना 93 फीसदी चक्रवृद्धि की रफ्तार) सबसे स्थिर संपत्ति सृजक (सर्वोच्च कीमत 86 फीसदी सीएजीआर) के तौर पर 2016-21 के दौरान उभरी। अदाणी एंटरप्राइजेज भी संपत्ति सृजन के मामले में ऑल राउंडर रही। साल 2016 में 10 सबसे तेज संपत्ति सृजक कंपनियों में 10 लाख रुपये का निवेश 2021 में बढ़कर 1.7 करोड़ रुपये हो गया होगा, जो 77 फीसदी सीएजीआर रिटर्न बताता है जबकि सेंसेक्स का रिटर्न महज 14 फीसदी रहा। 10 सबसे तेज गति से संपत्ति सृजन करने वाली अग्रणी कंपनियों में से 8 का बाजार पूंजीकरण 2,000 करोड़ रुपये से नीचे था। उनमें से ज्यादातर का मूल्यांकन उस समय उचित था, खास तौर से उनकी बढ़त के परिदृश्य के सापेक्ष। ऐसे में ये आंकड़े स्पष्ट तौर पर उच्च संपत्ति सृजन, मजबूत बढ़त के परिदृश्य वाली छोटी से लेकर मध्यम आकार की कंपनियों का चयन, जिसकी ट्रेडिंग उचित मूल्यांकन पर हो रही है, की पुष्टि करते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में वित्तीय क्षेत्र सबसे ज्यादा संपत्ति सृजन में आगे रहा जबकि पिछले अध्ययन में यह थोड़े समय तक उपभोक्ता व खुदरा से पिछड़ा था।

दुनिया में फिर भारत की धाकःभारतीय मूल की लीना नायर फ्रांस के लग्जरी ग्रुप शनैल की सीईओ बनीं, 8 साल पहले लंदन शिफ्ट हुई थीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

दुनिया भर की बड़ी कंपनियों में भारतीयों की धाक बढ़ती जा रही है। पराग अग्रवाल के ट्विवटर सीईओ बनने के बाद एक और भारतीय, लीना नायर, को फ्रांस के लग्जरी ग्रुप शनैल ने मंगलवार को लंदन में अपना नया ग्लोबल चीफ एग्जीक्यूटिव नियुक्त किया है। लीना इससे पहले यूनिलीवर में बतौर चीफ ह्यूमन रिसोर्स ऑफिसर थीं। ये इंटरनेशनल ब्रांड अपने ट्वीड सूट, क्विल्टेड हैंडबैग और हृश. 5 परफ्यूम के लिए पहचाना जाता है। लीना अगले साल जनवरी में कंपनी में आधिकारिक तौर पर शामिल हो जाएंगी। यूनिलीवर के चीफ एग्जिक्यूटिव ऑफिसर एलन जोप ने कहा, "लीना ने पिछले तीन दशक में कंपनी में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके लिए मैं उनका आभार जताता हूं।

कोल्हापुर में रहीं, XLRI की गोल्ड मेडलिस्ट

लीना नायर महाराष्ट्र के कोल्हापुर की रहने वाली हैं। उन्होंने अपनी स्कूलिंग महाराष्ट्र के कोल्हापुर के होली क्रॉस कॉन्वेंट स्कूल से पूरी की है। सांगली में वालचंद कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से लीना ने इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने जमशेदपुर के जेवियर्स स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से MBA की डिग्री ली। यहां लीना अपने बैच की गोल्ड मेडलिस्ट भी रहीं।

मैनेजमेंट ट्रेनी से कंपनी की CHRO बन गईं

लीना ने जिस हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड में 30 साल पहले (1992 में) बतौर मैनेजमेंट ट्रेनी करियर की शुरुआत की, वहां 2016 में वे CHRO के पोस्ट तक पहुंच गईं। बता दें कि हिन्दुस्तान लीवर ने बाद में अपना नाम बदनकर यूनिलीवर कर लिया था। 52 साल की लीना नायर 8 साल पहले 2013 में भारत से लंदन शिफ्ट हो गई थीं। तब उन्होंने वहां एंग्लो-डच कंपनी के लंदन हेक्वार्टर में लीडरशिप और ऑर्गेनाइजेशन डेवलपमेंट की ग्लोबल वाइस प्रेसिडेंट का पद संभाला था। बाद में उन्हें 2016 में प्रमोट किया गया और वह यूनिलीवर की पहली महिला, पहली एशियाई और सबसे कम उम्र की CHRO बन गईं। उन्हें पिछले महीने ही फॉर्चून इंडिया ने मोस्ट पावरफुल वुमेन लिस्ट में शामिल किया था।

लीना के पास 30 साल का अनुभव

लीना के पास 30 साल का अनुभव है। नायर ने अपने कार्यकाल में कई ।।क्र इंटरवेंशन किए। इनमें कैरियर बाय चॉइस सबसे सराहा जाने वाला इनिशिएटिव था। ये एक ऐसा प्रोग्राम है, जो उन महिलाओं को वर्कफोर्स में लाना है, जिन्होंने अपने करियर को पीछे छोड़ दिया है।

सेबी के पूर्व चेयरमैन की राय

लापरवाही आर्थिक घाटा का कारण हो सकती है धोखाधड़ी रोकने के लिए कंपनियां सही कदम उठाएं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

आर्थिक विकास के साथ अब धोखाधड़ी भी बढ़ती जा रही है। ऐसे में थोड़ी भी लापरवाही किसी बड़े आर्थिक घाटे का कारण बन सकती है। ऐसे में कंपनियों को धोखाधड़ी रोकने के लिए सही कदम उठाना चाहिए। यह बात सेबी के पूर्व चेयरमैन एम. दामोदरन ने कही।

दामोदरन एक्सीलेंस एनेबलर्स के चेयरमैन हैं

दामोदरन एक्सीलेंस एनेबलर्स के चेयरमैन है। उन्होंने कहा कि ग्राहकों और अन्य लोगों को चाहिए कि वे उन लोगों के साथ जानकारी साझा न करें जिन्हें सूचना प्राप्त करने का कोई अधिकार नहीं है। कंपनियों के लिए वार्निंग सिस्टम का होना भी उतना ही आवश्यक है जो उन्हें भविष्य में आ सकने वाली आपदाओं के प्रति सचेत करती हैं। जहां रोकथाम विफल हो गई है, वहाँ तुरंत ही कुछ उपाय फौरन अमल में ला देने चाहिए। फिर ऐसी सजा का प्रावधान किया जाना चाहिए जिससे डर पैदा हो और आगे कोई ऐसा करने से पहले कई बार सोचे।

सहायक कंपनियों के लिए ज्यादा खतरा

दामोदरन कहते हैं कि ज्यादा खतरा लिस्टेड कंपनियों की सहायक कंपनियों के लिए होता है। क्योंकि पैरेंट कंपनियां अक्सर लिस्टेड होती हैं। वे रेगुलेटर के जांच के अधीन होती हैं। जबकि सहायक कंपनियां, जिन पर कम नियमों का पहरा होता है वे आसानी से शिकार हो जाती हैं। धोखाधड़ी की रोकथाम की जिम्मेदारी प्रत्येक संगठन में विभिन्न स्तरों और कार्यकर्ताओं की होती है।

मैनेजमेंट को सुनिश्चित करना चाहिए

उनका कहना है कि सबसे पहले मैनेजमेंट को यह सुनिश्चित करना है कि वे उचित जांच और संतुलन के साथ ही नियंत्रण तंत्र स्थापित करके धोखाधड़ी को रोकने का प्रयास करें। धोखाधड़ी में इन्टर्नल ऑडिटर्स की बड़ी जिम्मेदारी होती है। सांविधिक लेखा परीक्षकों को मौजूदा या संभावित धोखाधड़ी को उनके संज्ञान में लाने के लिए मैनेजमेंट या बोर्ड की प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए।

ऑडिट कमेटी भी होती है जिम्मेदार

दामोदरन ने कहा कि कंपनियों की ऑडिट कमेटी यह सुनिश्चित करने के लिए है कि धोखाधड़ी की संभावना के लिए पर्याप्त इन्टर्नल कंट्रोल और चेक्स एण्ड बैलन्स है। उसी तरह रिस्क मैनेजमेंट कमेटी को उन कमजोरियों की पहचान करनी चाहिए जो जोखिम में बदल सकती हैं, और समय रहते उनकी भी पहचान करे जो फ्रॉड का फायदा उठा सकते हैं। उन्हें पहचानने के लिए कदम उठाया जाना चाहिए।

बोर्ड यह तय करने की मनमानी न हो

कंपनी के बोर्ड को यह सुनिश्चित करना है कि उसके लोग मनमानी तरीके से काम करें तो कंपनी खुद इसे रोक ले। इंडिपेंडेंट डायरेक्टर्स जिन्हें क़ानून द्वारा कंपनी के हित में कार्य करने का काम सौंपा गया है, धोखाधड़ी की रोकथाम के माहौल को सुनिश्चित करने के लिए भी जिम्मेदार हैं। जब कंपनियों को धोखाधड़ी का संदेह होता है, तो वे तथ्यों को तय करने और अपराधी व्यक्ति की पहचान करने के साथ-साथ उचित दंडात्मक कार्रवाई करने के लिए पूछताछ करती हैं।

फॉरेंसिक ऑडिट के बारे में जानकारी दी जाए

सेबी ने अनिवार्य किया है कि जब भी किसी लिस्टेड कंपनी द्वारा फॉरेंसिक ऑडिट शुरू किया गया हो, तो स्टॉक एक्सचेंज को इसके बारे में बताया जाएगा। कई कंपनियों ने पूछताछ को ऑडिट के रूप में डिस्क्लोजर करने से परहेज किया है। दामोदरन ने कहा कि धोखाधड़ी से न केवल किसी कंपनी की फाइनेंशियल स्थिति, बल्कि कंपनी की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचता है।

वॉट्सऐप फीचर अपडेट

अब वॉट्सऐप पर मिलेगा वॉयस मैसेज रिव्यू फीचर

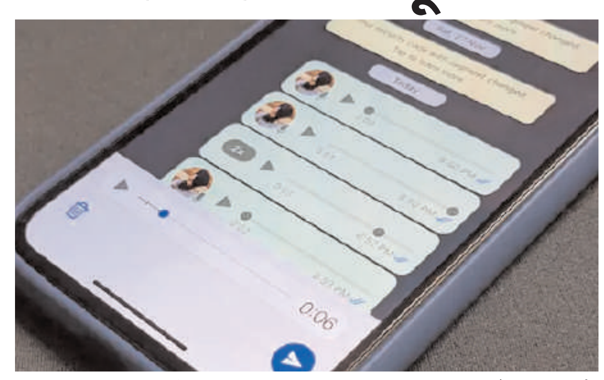

इससे वॉयस मैसेज खुद सुनकर भेज सकेंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

वॉट्सऐप ने अपने कॉन्टैक्ट्स को सेंड करने से पहले आपको अपने वॉयस मैसेज का प्रिव्यू करने वाले फीचर को रोलआउट करने का ऐलान किया है। इस अपडेट की मदद से आपको अपना वॉयस मैसेज सुनने और यह देखने में मदद करता है कि इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप पर शेयर करने के लिए ऑडियो ठीक है या नहीं। यदि ऐसा नहीं है, तो आप अपना वॉयस मैसेज को डिस्कार्ड कर सकते हैं और शेयर करने के लिए इसे फिर से रिकॉर्ड कर सकते हैं। वॉट्सऐप पर वॉयस मैसेज प्रिव्यू फीचर इंडिविजुअल और ग्रुप चैट दोनों के साथ काम करता है। साथ ही, इसे एंड्रॉयड और द्बह्रस् के साथ-साथ वेब और डेस्कटॉप सहित सभी प्लेटफॉर्म के लिए जारी किया गया है। अपने मोबाइल डिवाइस पर वॉयस मैसेज प्रिव्यू फीचर का यूज करने के लिए आपको वॉट्सऐप चैट में माइक्रोफोन बटन को टच करना होगा और हैंड्स-फ्री रिकॉर्डिंग लॉक करने के लिए इसे ऊपर की ओर स्लाइड करना होगा। इससे एक इंटरफेस मिलेगा, जहां आपको एक स्टॉप बटन और एक ट्रैश कैन दिखाई देगा। आप स्टॉप बटन को टैप कर सकते हैं और फिर रेसिपिएंट के साथ शेयर करने से पहले अपने वॉयस मैसेज को सुनने के लिए प्ले बटन को हिट कर सकते हैं। वॉट्सऐप आपको सीक बार पर टैप करके ऑडियो के किसी खास हिस्से में जाने की सर्विस भी देता है।

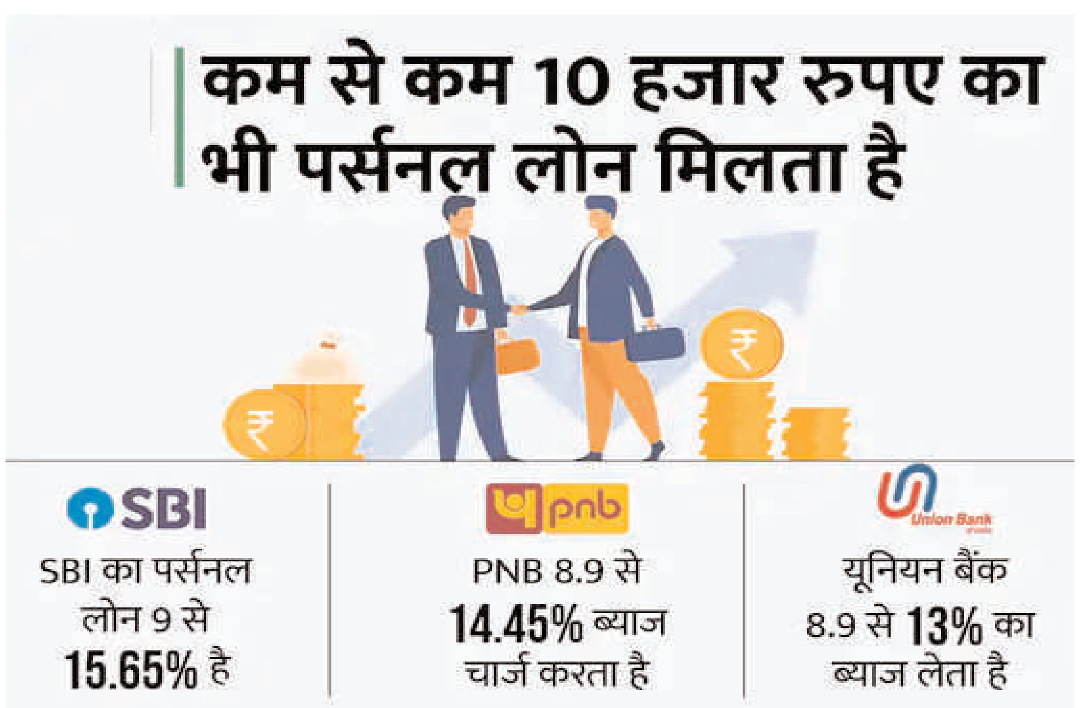

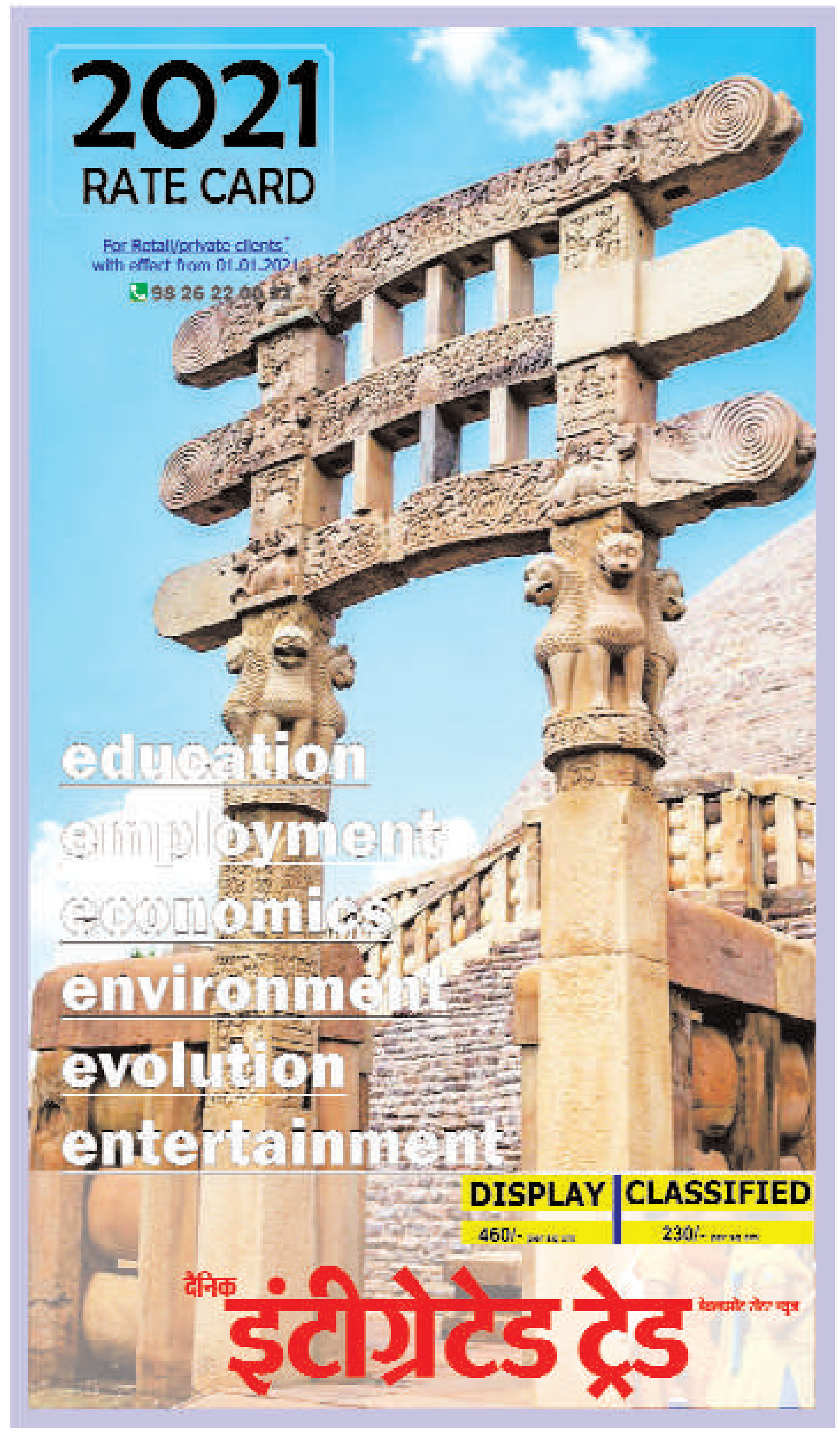

बैंक अगले 4 में से 3 दिन बंद रहेंग

आज और कल हड़ताल फिर रविवार की वजह से नहीं होगा कामकाज, अगले हफ्ते भी बंपर छुट्टियां

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अगर आपको बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम है तो इसे आज ही निपटा लें, क्योंकि आने वाले 4 दिन तक बैंक लगातार बंद रहेंगे। हालांकि 4 दिन की ये लगातार छुट्टी सिर्फ शिलॉन्ग में रहेगी। बाकी जगह 16,17 और 19 दिसंबर को बैंक बंद रहेंगे।

16 और 17 दिसंबर को होगी हड़तालः - देश के सरकारी बैंक कर्मचारी 16 और 17 दिसंबर को हड़ताल पर रहेंगे, जिसके चलते इन दोनों दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन की तरफ से इस बारे में जानकारी दी गई है। सरकार के प्राइवेटाइजेशन को लेकर चल रही तैयारियों का विरोध करने के लिए स्न्क्र ने हड़ताल करने का ऐलान किया है। स्न्क्र के तहत बैंकों की 9 यूनियन आती हैं।

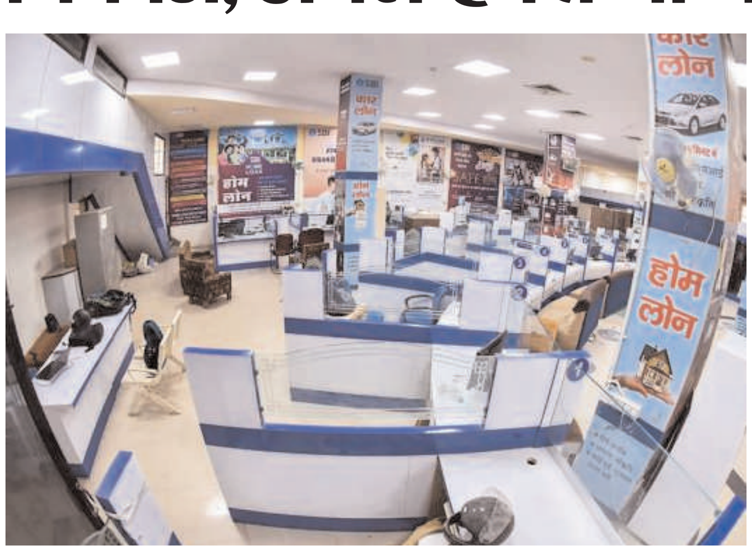

किस-किस दिन रहेगी छुट्टी

16 दिसंबर - बैंक हड़ताल
17 दिसंबर - बैंक हड़ताल
18 दिसंबर - यू सो सो थाम की डेथ एनिवर्सरी (शिलॉन्ग में बैंक बंद)
19 दिसंबर - रविवार (साप्ताहिक अवकाश)

16 दिनों में 10 दिन बंद रहेंगे बैंक

दिसंबर महीने में आज का दिन हटाकर अब 16 दिन बचें हैं। इन 16 दिनों में से 10 दिन बैंक बंद रहने वाले हैं। हालांकि, ये बैंक हॉलिडे अलग-अलग राज्यों के हिसाब से हैं।

रैली से घिरी कांग्रेस

जनता के मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेरने की कांग्रेस की हर कोशिश उसी के गले पड़ जाती है। भाजपा और केंद्र सरकार के खिलाफ माहौल बनना तो दूर खुद कांग्रेस अपनी जग हंसाई कर बैठती है। ऐसा एक नहीं कई बार हो चुका है। इस बार कांग्रेस की महारैली कारण बना है। दरअसल, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा सहित 5 राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस महंगाई को सबसे बड़ा मुद्दा बनाने जा रही है। इसके लिए रविवार को पार्टी ने जयपुर में महारैली की। रैली में देश भर के कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता जमा हुए। लंबे समय के बाद गांधी परिवार यानी सोनिया, राहुल और प्रियंका एक मंच में नजर आए। लेकिन दिलचस्प यह है कि महंगाई के खिलाफ रैली करने के लिए कांग्रेस ने जिस राज्य का चयन किया। उस कांग्रेस शासित राज्य में पेट्रोल, डीजल और बिजली सबसे अधिक महंगी है, जिसका असर खाने पानी के समान से लेकर हर प्रकार के वस्तुओं पर पड़ता है। राजस्थान में पेट्रोल और डीजल पर उत्तर भारत के दूसरे राज्यों के मुकाबले अधिक वैट लिया जा रहा है। यहां तक कि कांग्रेस शासित राज्य पंजाब में भी राजस्थान के मुकाबले कम वैट है। राजस्थान में डीजल और पेट्रोल के भाव आसमान छू रहे हैं। ऐसे में दिल्ली के सियासी गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस को सबसे पहले अपने घर को ठीक करने की जरूरत है, क्योंकि राजस्थान में केवल अकेले पेट्रोल, डीजल ही महंगा नहीं है। शराब, बिजली, स्टाम्प, अन्य राज्यों की तुलना में बेहद ज्यादा है। कांग्रेस भले ही मोदी के दूसरे कार्यकाल में महंगाई को मुद्दा बनाकर घेरने की तैयारी कर ली हो, लेकिन यह बड़ी बात है कि गुजरात, उतर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब राजस्थान के पड़ोसी राज्य हैं। इनमें तीन राज्यों में भाजपा की सरकार चल रही है, जबकि पंजाब में कांग्रेस की सरकार है। राजस्थान के ट्रांसपोर्ट वाले हो या टैक्सी चालक या फिर चारों राज्यों के बॉर्डर के नजदीक लगने वाले किसान हो, ज्यादातर लोग राजस्थान से तेल नहीं लेते। राजस्थान के साथ लगते हुए राज्यों की बात करें तो वहां पेट्रोल और डीजल के भाव में काफी अंतर है। राजस्थान में पेट्रोल 107 से 115 रुपए प्रति लीटर तक बिक रहा है। जबकि गुजरात, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब में 94 से 95 रुपए प्रति लीटर ही पेट्रोल का भाव है। डीजल के रेट की भी करीब ऐसी ही स्थिति है। राजस्थान में और राज्यों की तुलना में बिजली भी महंगी है। राजस्थान में बिजली टैरिफ प्लान की बात करें तो 8.13 रुपए है। जिस पर राज्य सरकार सेस अलग से लेती है। इससे प्रति यूनिट बिजली 10 से 15 रुपए प्रति यूनिट तक पहुंच जाती है। वहीं हरियाणा की बात करे तो 5.65 रुपए है और उतर प्रदेश में 6.76 रुपए के हिसाब से बिजली मिल रही हैं। पंजाब में भी बिजली सस्ती है। इसी तरह स्टाम्प ड्यूटी पर भी सरकार अधिक पैसा जनता से वसूल रही है। गहलोत सरकार ने इन सभी चीजों पर सेस अलग से लगाया हुआ है। ऐसे में सवाल उठता है कि महंगाई के खिलाफ महारैली करने वाली कांग्रेस अपने राज्य राजस्थान में ऐसा कौन सा कदम उठा रही है, जिससे महंगाई को नियंत्रित करने में आसानी हो।

संपादकीय

राजनीति ने थामी धर्म की बैसाखी....?

आज प्रजातंत्र व लोकतंत्र केवल दिखावे की वस्तु रह गई है, पिछले दिनों अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर लोकतंत्र को लेकर लम्बी बहस हुई और मौजूदा लोकतंत्र को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो ब्राईडेन से लेकर भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी तक ने चिंता व्यक्त की, किंतु क्या किसी ने भी यह जानने की कौशिश की कि 'लोक' या 'प्रजा' और 'तंत्र' में आज सर्वोपरी कौन है और आज का कथित लोकतंत्र किसके भरोसे चल रहा है?

हमारे भारतीय संविधान में चाहे धर्म और राजनीति को अलग-अलग खांचों में रखा हो, किंतु अब जबकि स्वार्थ, सत्ता और वर्चस्व ही राजनीति के लक्ष्य बना दिये गए हो, तो फिर संविधान की इस वर्जना को मानता ही कौन है? आज की राजनीति का एकमात्र लक्ष्य 'सत्ता' है और 'जनसेवा' का पूरी तरह लोप हो चुका है। इसीलिए 'मंहगाई' विरोधी रैली में चर्चा मंहगाई की नहीं, बल्कि हिन्दू तथा हिन्दुत्व की की जाती है। देश की जनता को यह समझाया जाता है कि आज हिन्दुस्तान में सत्ता हिन्दू की नहीं बल्कि हिन्दुत्व वादियों की है और देश की असली हिन्दू (काँग्रेसी) सत्याग्रही और हिन्दुत्ववादी 'सत्ताग्रही' है, कुल मिलाकर आज की राजनीति कभी 'टोपी' पर केन्द्रीत रहती है तो कभी धर्म पर, जबकि ये राजनेता धर्म का 'क, ख, ग' भी नही जानते। यही नहीं इनकी नजर में देश की नासमझ, अनपढ़ और अज्ञानी जनता को यह ज्ञान देना चाहते है कि गांधी जी हिन्दू थे और उनकी हत्या करने वाला नाथूराम गोड़से हिन्दूत्ववादी और आज देश में गांधीवादियों की नहीं गोड़सेवादियों की सरकार है।

वास्तव में इसमें ऐसा कहने और देश को ऐसा समझाने वालों की कोई गलती नहीं है, ये बैचारे तो आजाद भारत की पैदाईश है, इन्हें क्या पता कि भारत को आजादी के लिए किन संघर्षों के दौर से गुजरना पड़ा और संघर्ष झेलने वाले कौन थे? इनका दोष सिर्फ इतना है कि इन्होंने यह सब जानने-समझने की भी कौशिश नहीं की। जब आज देश का भविष्य ऐसे लोगों के हाथों में है तो सहज ही कल्पना की जा सकती है कि देश का भविष्य क्या व कैसा होगा?

आज प्रजातंत्र व लोकतंत्र केवल दिखावे की वस्तु रह गई है, पिछले दिनों अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर लोकतंत्र को लेकर लम्बी बहस हुई और मौजूदा लोकतंत्र को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो ब्राईडेन से लेकर भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी तक ने चिंता व्यक्त की, किंतु क्या किसी ने भी यह जानने की कौशिश की कि 'लोक' या 'प्रजा' और 'तंत्र' में आज सर्वोपरी कौन है और आज का कथित लोकतंत्र किसके भरोसे चल रहा है? अब तो 'लोकतंत्र' व 'प्रजातंत्र' केवल राजनीति में प्रदर्शन की वस्तु बनकर रह गए है और इसीलिए आज की राजनीति का 'लोक' या 'प्रजा' से कोई सम्बंध नहीं रह गया है। आज तो येन-केन-प्रकारेण आकर्षक नारों और वादों के माध्यम से सत्ता को हथियाने या उसे बरकरार रखने की ही भरसक कौशिश की जाती है और इस स्पर्द्धा में जो विजयी रहता है, वह 'जनसेवा' या 'लोकसेवा' से दूर और सत्ता के निकट पहुंच जाता है और इन्हें इस स्थान पर पहुंचाने वाला फिर पांच साल के लिए उपेक्षित होकर अपने भाग्य के भरोसे हो जाता है।

आज की राजनीति की यही त्रासदी है और यह त्रासदी किसी राजनीतिक दल विशेष तक सीमित नहीं रहकर पूरी राजनीति या उससे जुड़े दलों तक विस्तारित है.... और जहां तक संविधान, कानून या नैतिकता का सवाल है, आज की राजनीति का इनसे दूर का भी कोई सम्बंध नहीं रहा, आज 'लोक' या 'प्रजा' अपने दुर्भाग्य पर आँसू बहाने को मजबूर है तो 'तंत्र' राजनीति की कठपुतली बनने को विवश है, आज धर्म, राजनीति, मर्यादा, नैतिकता या संविधान की बात करने वाला 'महान अपराधी' माना जाता है।

ऐसा कतई नहीं है कि मेरे द्वारा की गई व्याख्या को कोई समझने वाला नहीं है, देश में अभी भी जागरूकता, नैतिकता व ईमानदारी पूर्ण राष्ट्रभक्ति है, किंतु दुर्भाग्य यह है कि यह देश के अल्प संख्यक (जाति धर्म के नहीं) 'जनवर्ग' के पास है और राजनीति के नगाड़ों के शोर में इनकी आवाज दबकर रह गई है, इसीलिए अब 'लोकतंत्र' व 'प्रजातंत्र' को समझने व मौजूदा परिवेश में समझाने की कौशिशें की जा रही है।

जब भारतीय सेना ने पाकिस्तान को किया मजबूर

भारतीय सैनिकों की वीरता की गाथाओं से हम परिचित हैं। आज जब भारत की सीमाओं पर शत्रु देश अवसर की ताक में है, तब हमारी सेनाएं अत्यंत चौकन्ना हैं और उसी वजह से हम सुरक्षित हैं और हमारा देश भी सुरक्षित है। आज हम स्मरण कर रहे हैं भारत के सैन्य शक्ति के उस शौर्य की, जिसमें 16 दिसंबर 1971 को भारत ने पाकिस्तान के 93 हजार सैनिकों को घुटने टेके पर मजबूर कर दिया।

आज हमारा देश ढाका विजय दिवस की 50वीं सालगिरह को एक यादगार के रूप में मना रहा है। यह दिवस आज इसलिए भी प्रासंगिक है, क्योंकि इस वर्ष भारत देश स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव मना रहा है। दुनियां में एकमात्र इस सीधी लड़ाई 1971 में बांग्लादेश की आजादी को लेकर भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच हुई। इस सीधी लड़ाई में भारतीय सेना के नायक जगजीत सिंह अरोड़ा के सामने पाकिस्तान सेना के प्रमुख जनरल नियाजी ने अपने 93 हजार सैनिकों के साथ आत्म समर्पण किया था।

1969 में सेना प्रमुख सैम हॉरमुसजी फ्रेमजी जमशेदजी मानेकशॉ ने जेएफआर जैकब को पूर्वी कमान प्रमुख बना दिया था। जैकब ने 1971 की लड़ाई में अहम भूमिका निभाते हुए दुश्मनों को रणनीतिक मात दी थी। जैकब के मुताबिक 1971 में पूर्वी पाकिस्तान वर्तमान में बांग्लादेश में युद्ध के बादल मंडरा रहे थे। बेहतर जिन्दगी की तलाश में बांग्लादेश के शरणार्थी लाखों की संख्या में सीमा पार करके देश के पूर्वी हिस्सों में प्रवेश कर रहे थे। पूर्वी पाकिस्तान में लोग इस्लामी कानूनों के लागू होने और उर्दू को बतौर राष्ट्रीय भाषा बनाए जाने का विरोध कर रहे थे। इसलिए हालात ज्यादा खतरनाक हो गए थे। पाकिस्तानी फौज को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करने वाले जनरल रिटायर्ड जैकब फर्ज रफेल जेएफआर जैकब के मुताबिक भारत के तीखे हमलों से परेशान होकर पाकिस्तान सेना ने संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में युद्ध विराम की पेशकश की जिसे भारतीय सेना ने अपनी चतुराई और पराक्रम से पाकिस्तान के पूर्वी कमान के 93000 सैनिकों के सरेंडर में बदल दिया।

नियाजी के पास ढाका में ही करीब 30 हजार सैनिक थे जबकि भारतीय सैनिकों की संख्या लगभग तीन हजार रही। जैकब के मुताबिक उसके पास कई हफ्तों तक लड़ाई लड़ने की क्षमता थी। अगर नियाजी ने समर्पण करने की बजाय युद्ध लड़ता तो पोलिश रिजॉल्यूशन जिस पर संयुक्त राष्ट्र में बहस हो रही थी वह लागू हो जाता और बांग्लादेश की आजादी का सपना अधूरा रह जाता। लेकिन वह समर्पण के लिए तैयार हो गया।

पूर्वी पाकिस्तान से बांग्लादेश बनाने में सबसे अहम भूमिका मुक्ति वाहिनी की रही। मुक्ति वाहिनी ने बांग्लादेश की आजादी के आंदोलन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। भारत में पूर्वी पाकिस्तान से लगातार आ रहे शरणार्थियों की समस्या से निपटने के लिए भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने मुक्ति वाहिनी को मजबूत करने का निर्णय लिया। इस फैसले के तहत मुक्ति वाहिनी को हथियार दिए गए।

इसके साथ ही युद्ध खत्म हो गया और बांग्लादेश का उदय हुआ। हार से तिलमिलाए नियाजी ने कहा जैकब ने मुझे ब्लैकमेल किया, हार से तिलमिलाए पाकिस्तान ने कुछ हफ्तों बाद चीफ जस्टिस हमीदुर रहमान को युद्ध जांच आयोग का प्रमुख बनाकर हार की वजह का पता लगाने का काम सौंपा गया। कमीशन ने जनरल नियाजी को तलब कर पूछा कि जब ढाका में उनके पास 26400 जवान थे, तब उन्होंने ऐसे शर्मनाक तरीके से क्यों समर्पण किया जबकि वहां पर सिर्फ कुछ हजार ही भारतीय फौज थी। जनरल नियाजी ने जवाब दिया, मुझे ऐसा करने पर मजबूर होना पड़ा।

जेएफआर जैकब के मुताबिक 1971 की लड़ाई में पश्चिमी मोर्चे पर रक्षात्मक, आक्रामक और पूर्वी मोर्चे पर पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध की बेहद आक्रामक रणनीति बनी थी। बारिश रुकने तक बांग्लादेश पर हमला न करने की बात जनरल जैकब ने कही थी। इस बीच जनरल ने युद्ध की सारी तैयारियां पूरी कर लीं। और जब युद्ध शुरू हुआ तो जनरल जैकब ने खुलना और चटगांव पर हमला बोलने के आदेश को नजर अंदाज करते हुए ढाका पर फोकस करना उचित समझा। जैकब जब ढाका के पास पहुंचे तो उनके पास 3 हजार जवानों की फौज थी जबकि नियाजी के पास करीब 30 हजार फौजी थे। लेकिन नियाजी जानता था कि बंगाली लोग उसके खिलाफ हैं। नियाजी ने संयुक्त राष्ट्र के नियमों के तहत युद्ध विराम समझौता करने की पेशकश कर दी। 16 दिसंबर को जैकब बिल्कुल निहत्थे हाथों में सिर्फ सरेंडर के कागज लेकर नियाजी के मुख्यालय पहुंच गए। समर्पण के कागज जैकब ने खुद ड्राफ्ट किए थे, लेकिन इस पर आलाकमान से मंजूरी नहीं मिली थी। इस बीच राजधानी में मुक्ति वाहिनी और पाकिस्तानी सेना के बीच युद्ध जारी था।

भारत की ओर से पूर्वी कमान का नेतृत्व कर रहे जेएफआर जैकब ने नियाजी से कहा मैं आपको भरोसा दिलाता हूँ कि आप अगर जनता के बीच आत्मसमर्पण करना चाहते हैं तो हम आपकी और आपके फौजियों की सुरक्षा की गारंटी लेते हैं। मैं तुम्हें 30 मिनट देता हूं। अगर तुम कोई फैसला नहीं कर पाए तो मैं हमले का आदेश दे दूंगा। बाद में नियाजी के दफ्तर से जैकब लौट आए। उस समय की घटना के संबंध में जैकब बताते है कि वे नियाजी के पास दोबारा पहुंचे और उन्होंने मेज पर समर्पण के कागजात रखे हुए थे। मैंने पूछा जनरल क्या आप इसे मंजूर करते हैं मैंने नियाजी से तीन बार पूछा। लेकिन उन्होंने जवाब नहीं दिया। इसके बाद पाकिस्तान सेना ने समर्पण कर दिया। 1971की लड़ाई में पाकिस्तानी सेना भारतीय फौजों के सामने सिर्फ 13 दिन ही टिक सकी। इतिहास की सबसे कम दिनों तक चलने वाली लड़ाइयों में से एक इस लड़ाई के बाद पाकिस्तान के करीब 93 हजार सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया था। आधुनिक सैन्य काल में इस पैमाने पर किसी फौज के आत्मसमर्पण का यह पहला मामला था।

मण्डियों में बारह-चौदह सौ में धान बिक रहा, वजह एमएसपी गारंटी नहीं

किसानों को उनकी मेहनत का उचित लाभ तक नहीं मिल पा रहा है। इस पर किसान परिवार का सामूहिक परिश्रम, किसान की भूमि का किराया, किसान की पूंजी का ब्याज आदि की गणना नहीं की जाती है। तात्पर्य यह है कि किसानों के पारिवारिक श्रम, मेहनत, जमीन-पूंजी के किराये या ब्याज की गणना की जाए, तो ही खेती फायदेमंद हो सकती है। पानी-बरसात में दिन-रात किसान परिवार जिस तरह से खेती-किसानी में लगा रहता है, इस लिहाज से लागतों की गणना करें तभी समझ आएगा कि खेती किसानी नुकसान का काम है। यही कारण है कि किसानों की नई पीढ़ियां इस पेशे में नहीं आ रहीं हैं।

पूरी दुनिया में %धान का कटोरा% के नाम से मशहूर छत्तीसगढ़ की मण्डियों में इन दिनों धान के खरीदार नहीं हैं, लिहाजा धान की औने-पौने दामों पर बोलियां लग रहीं हैं। किसान बेचने के लिए मजबूर हैं, व्यापारी इसका फायदा उठाकर समर्थन मूल्य से पांच-सात सौ कम की बोलियां लगा रहे हैं। किसान आवाज उठा रहे हैं, लेकिन सुनवाई नहीं है। चूंकि एमएसपी के नीचे धान खरीदी के लिए देश में कोई कानूनी प्रावधान नहीं है, इसलिए राज्य सरकार चाहकर भी कुछ नहीं कर पा रही है। ऊपर से संसद में सरकार कह रही है कि एमएसपी से कम दर पर धान खरीदी की देश में कहीं से कोई शिकायत नहीं है।

आजादी के साढ़े सात दशक पूरे हो जाने के बावजूद देश में कृषि उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी नहीं है। कृषि कानूनों की वापसी के बाद इसी एमएसपी गारंटी की कानून के लिए किसान अड़े हुए थे। अंतत- सरकार से बातचीत में इसके लिए सरकार ने सकारात्मक रुख दिखाया और किसानों को मनाने में सरकार सफल रही। अब एमएसपी गारंटी कानून का रास्ता साफ होता दिख रहा है। यह किसानों के लिए एक अच्छा कदम है।

हालांकि सरकार ने इसके लिए कोई समय सीमा तय नहीं है। इसका मतलब यह है कि जब तक इसके लिए कानून नहीं बन जायेगा, तब तक किसानों का इसी तरह शोषण जारी रहेगा। छत्तीसगढ़ की मण्डियों में इन दिनों धान 1200 से 1400 रुपये में बिक रहा है। समर्थन मूल्य पर सरकार 1940-60 रुपये में खरीद रही है, लेकिन मण्डियों में धान 1200-1400 रुपये में बिक रहा है। किसान बेबस हैं लेकिन सरकार कुछ नहीं कर पा रही है, क्योंकि इसके लिए देश में कोई कानूनी प्रावधान नहीं है।

सवाल उठता है कि किसानों को हो रही नुकसान की भरपाई कौन करेगा? किसानों को प्रति क्विंटल 500-700 रुपये के नुकसान की भरपाई कैसी होगी? इसके लिए जिम्मेदार कौन है? छत्तीसगढ़ सरकार ने कुछ दिन पहले मण्डी शुल्क में तीन रुपये की बढ़ोतरी कर दी है, जिसके विरोधस्वरूप राज्य की मण्डियों में धान की खरीदी कीमत में 500 से 700 रुपये की कमी आ गई है। यानि मण्डियों में धान 1200-1400 रुपये में बिक रहा है। दुर्भाग्यजनक पहलू यह है कि इसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। साफ है कि सरकार के ढुलमुल रवैये की वजह से सालभर से अधिक चले किसान आंदोलन के बावजूद सरकार किसानों को एमएसपी की गारंटी देने के लिए कानून बनाने के निर्णय पर अमल करने के लिए प्रतिबद्ध तक लगती नहीं है। चूंकि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सरकार की ओर से प्रति एकड़ मात्र 15 क्विंटल धान की खरीदी की जाती है, लिहाजा बाकी उपज को किसान मण्डियों में बेचने के लिए विवश हैं, यानि कम कीमत पर बेचना किसानों की मजबूरी है। यही वजह है कि किसानों को भारी नुकसान उठाकर भी धान बेचना पड़ता है। एमएसपी की गारंटी इसलिये जरूरी है, क्योंकि मंडियों में किसानों को उपज का सही मूल्य नहीं मिलता है, और बगैर कानूनी गारंटी के उत्पादों का उचित दाम किसानों को नहीं मिलेगा। जहां तक बात एमएसपी की है, तो इस समय देश में मात्र 23 फसलों पर इसका लाभ किसानों को मिल रहा है। एमएसपी वाली सात अनाज फसलें धान, गेहूं, बाजरा, मक्का, ज्वार, रागी, जौ हैं। पांच दलहनी फसलें चना, अरहर, मूंग, उड़द, मसूर हैं। सात तिलहनी फसलें मूंग, सोयाबीन, सरसों, सूरजमुखी, तिल, काला तिल, कुसुम हैं।

एमएसपी वाली बाकी चार फसलों में गन्ना, कपास, जूट, नारियल है। इसके अलावा किसी उत्पाद पर एमएसपी की कोई व्यवस्था या प्रावधान नहीं है। 2012-13 की नेशनल सैम्पल सर्वे की सरकारी रिपोर्ट ही बताती है कि देश में 10 फीसदी से भी कम किसान अपनी फसल को एमएसपी पर बेच पाते हैं। ताजा आंकड़े बताते हैं कि एमएसपी पर फसल बेचने वाले किसानों की संख्या देश में और कम होकर मात्र 6 फीसदी रह गई है। यानी किसानों का एक बड़ा वर्ग अभी भी एमएसपी पर अपनी फसल नहीं बेच पा रहा है। इन 23 फसलों पर किसानों को जो एमएसपी मिल रही है, उस पर भी किसानों को कोई खास फायदा नहीं मिल पा रहा है। देश में एमएसपी निर्धारण करने का जो फार्मूला बना है, उसमें उत्पादों की खाद, बीज, दवाई इत्यादि इनपुट लागतें भर सम्मिलित हैं, इसलिए किसानों को उनकी मेहनत का उचित लाभ तक नहीं मिल पा रहा है। इस पर किसान परिवार का सामूहिक परिश्रम, किसान की भूमि का किराया, किसान की पूंजी का ब्याज आदि की गणना नहीं की जाती है।

सम्मान पाने के लिए मर्यादा का पालन जरूरी

संसार में भगवान राम मर्यादा पुरूषोत्तम के रूप में पूजे जाते हैं। इसका कारण यह है कि इन्होंने अपने जीवन में हर रिश्ते के साथ न्याय किया। इन्होंने कभी भी बड़ा होने का अभिमान नहीं दिखाया। इन्होंने छोटे भाइयों को सम्मान दिया और सदैव माता-पिता के आज्ञाकारी रहे। पत्नी की सुरक्षा के लिए रावण से लड़े और राजा के रूप में जनता को महत्व दिया। लेकिन जब कोई व्यक्ति अपनी मर्यादा की सीमा रेखा को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करता है तभी विवाद और क्लेश उत्पन्न होता है। वर्तमान समय में कई ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं कि बेटे ने पिता को घर से बाहर निकाल दिया। बेटे ने बाप की संपत्ति हड़प ली। ससुर का अपनी बहू से अनैतिक संबंध है और भाई ने बहन का अपमान किया। जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो मर्यादा का हनन होता है। संसार में रिश्तों की डोर का निर्माण मर्यादा की रक्षा के लिए किया गया था। यही सामाजिक जीवन का आधार भी है।

जब कोई मार्यादा का उल्लंघन करता है तब सामाजिक व्यवस्था बिगडने लगती है और मर्यादा का उल्लंघन करने वाला और मर्यादा का हनन होने वाला दोनों ही अपमानित होता है। जब कोई किसी के साथ अमर्यादित व्यवहार करता है तो उसे भी अर्मायादित व्यवहार ही प्राप्त होता है। उदाहरण के तौर पर गंगा नदी जब तक अपनी सीमा में प्रवाहित होती है उसे माता का दर्जा प्राप्त होता है, लोग इसकी आरती उतारते हैं। लेकिन जब अपनी मर्यादा का उल्लंघन करके तटों को तोड़कर आगे बढ़ती है तब गंगा आदरणीय नहीं रह जाती है। नाले के जल में मिलकर गंगाजल गंदाजल कहलाने लगता है।

ये हैं भविष्य के टॉप 6 टेक करियर ऑप्शन, मिलता है अच्छा सैलरी पैकेज

टेक्नोलॉजी बहुत तेजी से बढ़ता हुआ सेक्टर है। इस फील्ड में हर साल लाखों युवाओं को शानदार करियर बनाने मौका मिलता है। आज हम आईटी की कुछ ऐसे फील्ड्स के बारे में बताएंगे, जिन्हें भविष्य का करियर ऑप्शन कहा जाता है। आने वाले समय में ये टॉप जॉब ऑप्शन होंगे। आइये आज ऐसे ही 6 कोर्स के बारे में जानते हैं

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंप्यूटर साइंस का एक एरिया है। इसमें ऐसी मशीनें तैयार करनी होती है जो इंसान की तरह काम करे। ये इंटेलिजेंट मशीन प्लानिंग, स्पीच रिकॉग्निशन, लर्निंग और प्रॉब्लम सॉल्विंग के काम अच्छी तरह अंजाम देती हैं। सिरी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का बेहतरीन उदाहरण है। अगर आप आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में करियर बनाना चाहते हैं तो आपको मैथमेटिक्स, साइकॉलजी और साइंस जैसे फिजिक्स एवं बायोलॉजी पढ़नी चाहिए। इसके अलावा कुछ बुनियादी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज सीखना भी फायदेमंद रहेगा।

साइबर सिक्यॉरिटी

बढ़ते टेक्नॉलजी ने जहां हमारे जीवन में क्रांति ला दिया है वहीं इसके कुछ खतरे भी सामने आए हैं। हाल के दिनों में कंप्यूटरों को हैक करने यानी आपके सिस्टम की जानकारी तक किसी और की पहुंच होना के मामले बढ़े हैं। इससे न सिर्फ किसी खास व्यक्ति या कंपनी को खतरा है बल्कि देश को भी खतरा है। इसलिए आज के समय में सरकार और संगठन साइबर सिक्यॉरिटी को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं और इस फील्ड के पेशेवर की काफी मांग है। इस फील्ड में करियर बनाने के लिए साइबर सिक्योरिटी और फोरेंसिक्स में स्पेशलाइजेशन के साथ कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग में बीटेक से भी काफी मदद मिलेगी। यहां पर आप इन्फर्मेशन सिक्योरिटी ऐनालिस्ट, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर, सॉफ्टवेयर डेवलपर, साइबर पॉलिसी ऐनालिस्ट आदि जॉब प्रोफाइल पर काम कर सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी

नैनोटेक्नोलॉजी भी एक ऐसा फील्ड है जो छात्रों के बीच काफी लोकप्रिय हो रहा है। दरअसल इसमें सूक्ष्म चीजों का अध्ययन किया जाता है। मॉडर्न साइंस में नैनो टेक्नोलॉजी एक ऐसी अप्लॉइड साइंस है, जिसमें 100 नैनोमीटर से छोटे पार्टिकल्स पर रिसर्च और काम किया जाता है। नैनो टेक्नोलॉजी के विभिन्न क्षेत्रों जैसेकि, स्पेस रिसर्च, प्रॉडक्ट डेवलपमेंट, जेनेटिक्स, हेल्थ इंडस्ट्री, एग्रीकल्चर, इन्वायरमेंट इंडस्ट्रीज, प्राइवेट रिसर्च इंस्टीट्यूट, बायोटेक्नोलॉजी, फोरेंसिक साइंस में भी इन दिनों बेहतरीन अवसर उपलब्ध हैं। नैनो टेक्नोलॉजी में एक्सपर्ट्स को भारत में टेक्सटाइल्स इंडस्ट्री और फार्मास्युटिकल कंपनियों से काफी आकर्षक जॉब ऑफर्स मिलते हैं। कोरोना के बाद से इस फील्ड में युवाओं की मांग तेजी से बढ़ी है।

क्लाउड कंप्यूटिंग

क्लाउड कंप्यूटिंग ऐसी तकनीक है जो हमें इंटरनेट पर आभासी संसाधनों को उपलब्ध कराती है। इस समय यह ऑप डिमांडिंग करियर ऑप्शन में से एक है। जिन छात्रों के पास कंप्यूटर साइंस, इंजीनियरिंग वगैरह में डिग्री है वे आसानी से इस फील्ड में करियर बना सकते हैं। यहां पर आप सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट, आईटी आर्किटेक्ट, टेक्निकल कंसल्टेंट, क्लाउड सॉफ्टवेयर इंजिनियर आदि जॉब कर सकते हैं।

रोबोटिक इंजीनियरिंग

यह एक तरह का ऑटोमेटिक मैकेनिकल डिवाइस है। जो कंप्यूटर प्रोग्रामिंग या मशीनी प्रोग्रामिंग भाषा की सहायता से काम करता है। इसे आप आसानी से अपनी इच्छा अनुसार कंट्रोल में कर सकते है या इससे काम ले सकते है। इस सिस्टम में सेंसर, कंट्रोल सिस्टम, मैनिपुलेटर्स , पावर सप्लाई और सॉफ्टवेयर जैसी चीजें एक साथ वर्क करती हैं। अगर हम रोबोटिक्स इंजीनियरिंग की बात करे तो यह कई ब्रांचो से मिलकर बनी है। इसमें कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर और मैकेनिकल इंजीनियर मिलकर रोबोट के डिजाइन , कंस्ट्रक्शन , पावर सप्लाई , इन्फॉर्मेशन प्रोसेसिंग और सॉफ्टवेयर पर काम करता है।

डाटा साइंटिस्ट

दुनिया में बढ़ती सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी के कारण आज के समय में छात्रों के लिए डाटा साइंटिस्ट बनना बेस्ट करियर ऑप्शन हो सकता है। डाटा साइंस हम उसे कह सकते हैं जिसके तहत किसी भी डाटा का विश्लेषण कर उसकी जानकारी निकाल सकें। आज के समय में कंप्यूटर विज्ञान का एक हिस्सा है, डाटा साइंस सांख्यिकी गणित, सांख्यिकी, सूचना सिद्धांत, सूचना प्रौद्योगिकी आदि जैसे कई क्षेत्रों में सिद्धांतों और तकनीकों का उपयोग करता है। डाटा साइंटिस्ट बनने के लिए आपके पास कई स्किल का होना जरूरी है, जिसमें से मुख्य रूप से मैथ, कंप्यूटर साइंस, मैनेजमेंट, अपीयर मैथ से डिग्री व डिप्लोमा जरूरी है। साथ ही आपको सांख्यिकीय मॉडलिंग और व्यवहार्यता की भी जानकारी होनी चाहिए। इसके अलावा आपको पाइथन, जावा, रा, सास, जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की भी जानकारी होनी चाहिए।

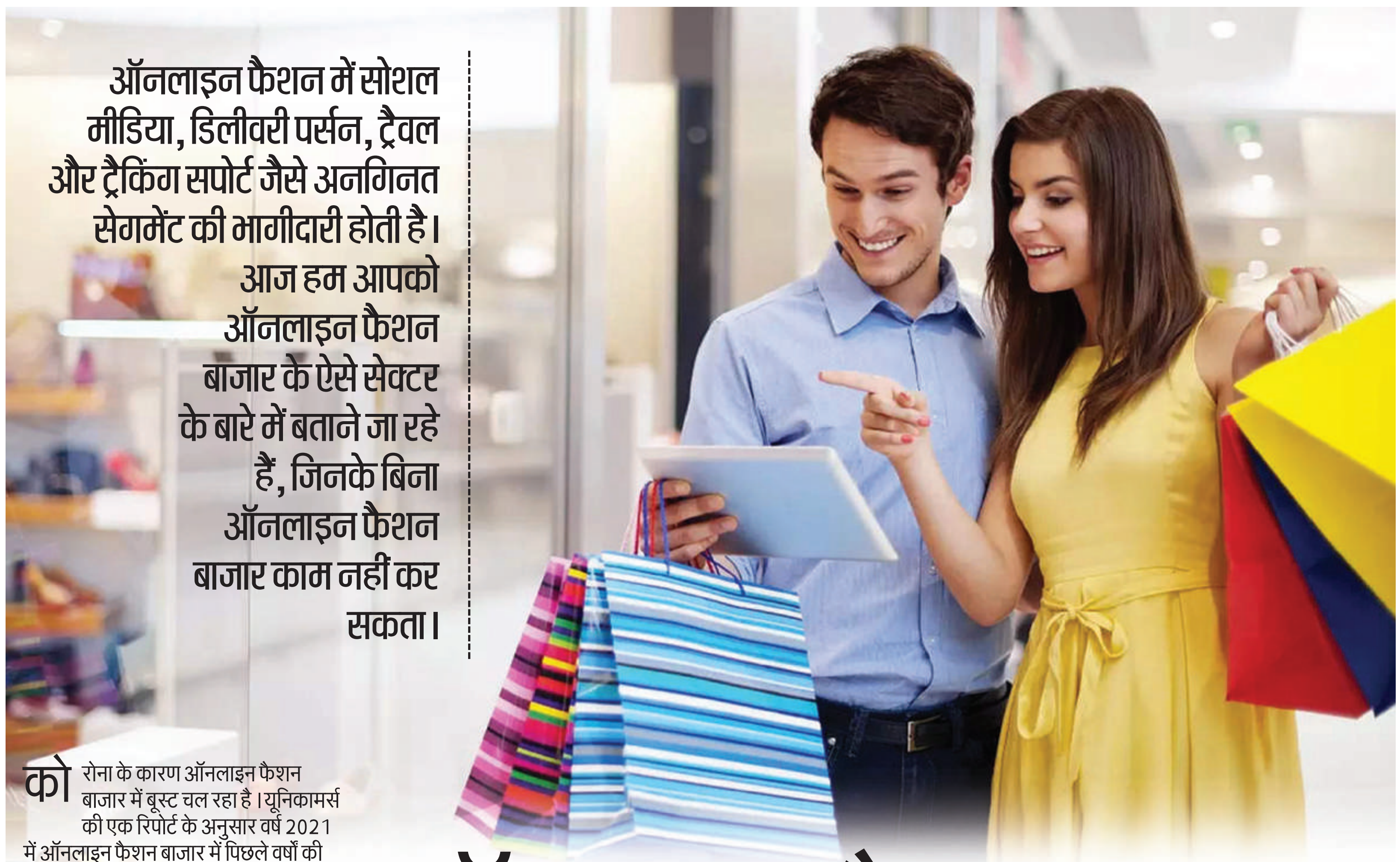

ऑनलाइन फैशन में सोशल मीडिया, डिलीवरी पर्सन, ट्रैवल और ट्रैकिंग सपोर्ट जैसे अनगिनत सेगमेंट की भागीदारी होती है। आज हम आपको ऑनलाइन फैशन बाजार के ऐसे सेक्टर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके बिना ऑनलाइन फैशन बाजार काम नहीं कर सकता।

ऑनलाइन फैशन बाजार में हैं कई करियर ऑप्शन

कोरोना के कारण ऑनलाइन फैशन बाजार में बूस्ट चल रहा है। यूनिकामर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2021 में ऑनलाइन फैशन बाजार में पिछले वर्षों की तुलना में 51% की वृद्धि हुई है। इस वृद्धि के कारण ऑनलाइन फैशन बाजार में नौकरियों की डिमांड बढ़ी है।

टेक्सटाइल डिजाइनर

एक क्लॉथ ब्रांड को उसकी प्रीमियम लुक के कारण पहचाना जाता है। इसमें सबसे बड़ा योगदान टेक्सटाइल डिजाइनर करता है। यह ड्रेस को उसका लुक देता है। एक टेक्सटाइल डिजाइनर को कभी भी कमतर नहीं आंका जाता है क्योंकि आगे की पूरी प्रोसेसिंग एक टेक्सटाइल डिजाइनर के प्रसंस्करण और निगरानी पर निर्भर करती है जो एक प्रीमियम उत्पाद निर्धारित करता है। इनकी औसत सैलरी 4 लाख से 5 लाख रुपये प्रति वर्ष होती है।

फैशन डिजाइनर

फैशन बाजार का साम्राज्य फैशन डिजाइनर पर निर्भर करता है। इनके इमेजिनेशन को वास्तविकता में बनाया जाता है। फैशन डिजाइनर चित्रण से लेकर अंतिम मॉडल शूट तक, हर जगह अपनी भूमिका निभाते हैं। इसलिए यह ऑनलाइन फैशन बाजार में सबसे रोमांचक नौकरियों में से एक है। टेक्सटाइल डिजाइनरों और फैशन डिजाइनरों को समन्वय की आवश्यकता होती है और सभी आकारों में शैलियों और परिधान बनाने की बात आती है तो यह सबसे चुनौतीपूर्ण नौकरियों में से एक है। इनकी औसत सैलरी 2 लाख से 5 लाख रुपये प्रति वर्ष होती है।

ट्रेंड फोरकास्टिंग डिपार्टमेंट

फैशन बाजार तब तक नहीं चल सकता जब तक कि उसे नवीनतम ट्रेंड से अपडेट नहीं किया जाता है। यह वह जगह है जहां ट्रेंड फोरकास्टिंग डिपार्टमेंट हर नए फैशन को पहचानता है और उनके साथ चलने की कोशिश करता है। फैशन बाजार में मुख्य रूप से इस विभाग की आवश्यकता पड़ती है। इनकी औसत सैलरी 5 से 7 साल के अनुभव के बाद 20 लाख से ज्यादा हो सकती है।

मार्केटिंग स्पेशलिस्ट

ऑनलाइन फैशन मार्केटिंग बहुत विविध है और दिन-ब-दिन बढ़ रही है। ब्रांड को और अधिक हाइलाइट करने के लिए कंपनियों को मार्केटिंग स्पेशलिस्ट की आवश्यकता होती है। यहीं से मार्केटिंग फ्रेम में आती है। यह डिजिटल मार्केटिंग का एक अनिवार्य हिस्सा है। इनका कार्य ब्रांड को अधिक हाइलाइट करने के साथ अधिक से अधिक क्लिक लाना है। मार्केटिंग स्पेशलिस्ट लेटेस्ट ट्रेंड को जानने के साथ-साथ मौजूदा बाजार को बेहतर ढंग से समझने में भी मदद करते हैं। इनको 5 से 7 लाख रुपये औसत सैलरी मिलती है।

एसईओ कंटेंट राइटर

यहां पर कंटेंट किंग होता है। कोई भी ऑनलाइन वेबसाइट तब तक काम नहीं कर सकती जब तक उसमें ग्राहकों का ध्यान खींचने के लिए आकर्षक सामग्री न हो। ऑन-पेज से लेकर ऑफ-पेज तक हर स्तर पर सामग्री काफी आकर्षक होनी चाहिए ताकि लोगों का ध्यान खींच सके और फिर से वापस आने का मन करे। इनकी औसत सैलरी 3.5 लाख से 4 लाख रुपये प्रति वर्ष होती है।

गोदाम प्रबंधक

ऑफलाइन स्टोर हो या ऑनलाइन फैशन मार्केट, सभी के लिए वेयरहाउस मैनेजर एक जरूरी सेगमेंट है। उनकी नौकरी की भूमिका मुख्य रूप से बाजार में उत्पादों के समय पर निर्माण और प्रबंधन करने के अलावा आने जाने वाले सामानों का समय प्रबंधन करना है। लॉजिस्टिक्स के अनियमित रखरखाव और इन्वेंट्री प्रबंधन की कमी के साथ कोई भी कंपनी सफल नहीं होती है। इन्हें प्रतिवर्ष 2 से 3 लाख रुपये सैलरी मिलती है।

निर्माता

डेवलपर मुख्य रूप से 2 प्रकार के होते हैं, एक वेबसाइट निर्माता और दूसरा सॉफ्टवेयर निर्माता। दोनों का अपना महत्व है, क्योंकि एक वेबसाइट बनाता है जबकि दूसरा मजबूत डेटाबेस और एप्लिकेशन बनाता है। उनमें से प्रत्येक वेबसाइट के कामकाज को बनाए रखने के लिए अनिवार्य है। वेबसाइट डेवलपर्स के लिए प्रति वर्ष 5 लाख से 8 लाख रुपये सैलरी और सॉफ्टवेयर डेवलपर के लिए 5 लाख से 11 लाख रुपये सैलरी मिलती है।

ग्राफिक डिजाइनर

डिजाइनिंग फैशन बाजार का मूल है और इसके केंद्र में एक ग्राफिक डिजाइनर रहता है। वह वेबसाइट से लेकर उत्पादों तक के डिजाइन और पैटर्न वाली एक विशेष वेबसाइट पर काम करता है। सभी कंपनियों में ग्राफिक डिजाइनरों की एक पूरी टीम होती है। इनका औसत सैलरी 3 लाख से 4 लाख रुपये प्रति वर्ष होता है।

बिजनेस एनालिस्ट

एक बिजनेस एनालिस्ट वह है जो कंपनी के कार्यों का विश्लेषण करता है। यह कंपनी द्वारा अपडेट किए गए ई-कॉमर्स डेटा की निगरानी करने के अलावा उन्हें विकसित करता है। इनको 4 लाख से 5 लाख रुपये प्रतिवर्ष सैलरी मिलती है।

क्या है सीआरएम कोर्स

जानें बेस्ट कोर्स और स्किल्स

सीआरएम सिस्टम कस्टमर को फेस करने वाले कर्मचारियों की व्यक्तिगत जानकारी, खरीद इतिहास, खरीद वरीयताओं और चिंताओं के बारे में विस्तृत जानकारी भी देते हैं।

ग्राहक संबंध प्रबंधन (सीआरएम) को ग्राहक सेवा संबंधों को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न कंपनियों द्वारा उपयोग की जाने वाली पोस्ट है। सीआरएम कस्टमर को बनाए रखने और बिक्री वृद्धि को चलाने में मदद करने के लिए कस्टमर इंटरेक्शन और डेटा का विश्लेषण करते हैं। एक कंपनी के कस्टमर डेटा में कस्टमर/कंपनी की वेबसाइट, टेलीफोन, लाइव चैट, डायरेक्ट मेल, मार्केटिंग सामग्री और सोशल मीडिया जैसी जानकारी शामिल होती है।

सीआरएम कोर्स एलिजिबिलिटी

सीआरएम के लिए ज्यादातर MBA कोर्स हैं। किसी भी MBA प्रोग्राम में प्रवेश के लिए किसी मान्यता प्राप्त कॉलेज और विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन की डिग्री के साथ कॉमन एडमिशन टेस्ट (CAT) पास करना आवश्यक है। हालांकि, अन्य बिजनेस स्कूलों को CAT, XAT, GMAT या MAT उत्तीर्ण करने की आवश्यकता होती है। इन प्रवेश परीक्षाओं के अलावा कुछ बिजनेस स्कूल हैं जो व्यक्तिगत रूप से एप्टीट्यूड टेस्ट आयोजित करते हैं। इन परीक्षणों में शॉर्टलिस्टेड उम्मीदवारों को GD और PI राउंड देना पड़ सकता है। वहीं कई बी-स्कूल छात्रों को दाखिला प्रवेश परीक्षा, जीडी/पीआई और कार्य अनुभव के आधार पर देते हैं।

आवश्यक स्किल

एक प्रभावी सीआरएम बनने के लिए छात्रों में एकेडमिक एक्सीलेंस के अलावा अन्य स्किल की भी आवश्यकता होती है। ये स्किल न केवल मैनेजरों को कस्टमर को बनाए रखने में मदद करते हैं बल्कि संगठन के अच्छे ब्रांड मूल्य के निर्माण में भी मदद करते हैं। सीआरएम के अंदर क्रिटिकल थिंकिंग, गुड कम्युनिकेशन एंड प्रेजेंटेशन स्किल, टाइम मैनेजमेंट, टीम वर्क और पर्याप्त तकनीकी जानकारी होनी चाहिए।

सीआरएम कराने वाले संस्थान

- आईआईएम अहमदाबाद
- दूरस्थ शिक्षा के लिए सिम्बायोसिस केंद्र – पुणे
- जेके बिजनेस स्कूल – गुड़गांव
- एक्सएलआरआई जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट – जमशेदपुर
- ग्राहक अनुभव प्रबंधन के एईजीआईएस संस्थान – कोयंबटूर
- एपीजे स्कूल ऑफ मैनेजमेंट – नई दिल्ली
- दूरस्थ शिक्षा के लिए सिम्बायोसिस केंद्र – नोएडा
- दूरस्थ शिक्षा के लिए सिम्बायोसिस केंद्र – बंगलौर
- दूरस्थ शिक्षा के लिए सिम्बायोसिस केंद्र – नासिक
- इंडियन बिजनेस स्कूल ऑफ एडवांस मैनेजमेंट स्टडीज – मुंबई

सीआरएम का कोर्स

सीआरएम के कोर्स की संरचना में भारी विविधता है। देश और दुनिया के विश्वविद्यालयों में अलग-अलग तरह के कोर्स कराए जाते हैं। हालांकि भारत के अंदर होने वाले प्रमुख कोर्स में कस्टमर रिलेशन मैनेजमेंट, कस्टमर बिहेवियर, सेल एंड मार्केटिंग मैनेजमेंट, सर्विस मार्केटिंग, सर्विस इंडस्ट्री में सीआरएम, एडवांस सीआरएम, बी2बी मार्केट्स एंड सीआरएम, मार्केटिंग रिसर्च और ई-बिजनेस शामिल है।

करियर ऑप्शन

सीआरएम कोर्स पूरा करने के बाद छात्र कस्टमर रिलेशन मैनेजर, सीआरएम विशेषज्ञ, रिलेशन मैनेजर, प्रोडक्शन मैनेजर, ऑपरेशन मैनेजर, टीम लीडर जैसे विभिन्न कॉर्पोरेट जॉब प्रोफाइल पर रहकर कार्य कर सकते हैं। ग्राहक संबंध प्रबंधन (सीआरएम) कोर्स छात्रों को आवश्यक स्किल सिखाता है जो इस क्षेत्र में करियर आगे बढ़ने के लिए आवश्यक है। मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) जैसे सीआरएम में स्नातकोत्तर डिग्री के बाद आपको दुनिया भर की कंपनियों में वित्त, अनुसंधान और परामर्श में काम के विकल्प मिल सकते हैं। वहीं बैंकिंग, वित्त, लेखा, बीमा, कानूनी, बिक्री, विपणन, आईटी, विनिर्माण, प्रबंधन परामर्श और सार्वजनिक क्षेत्र जैसे डोमेन में भी आप आकर्षक कार्य विकल्प प्राप्त कर सकते हैं। भारत में सीआरएम पेशेवरों के लिए करियर के अवसर मुख्य रूप से बैंकिंग, इंटरनेट सेवाओं और ई-कॉमर्स क्षेत्रों में मौजूद हैं। यूटिलिटी सेक्टर और चेन ऑपरेशन में काम करने वाली कंपनियां भी सीआरएम प्रोफेशनल्स की नियुक्ति करती हैं। सीआरएम में सैलरी सीआरएम का कोर्स करने के बाद आप बहुत अच्छे पैकेज के साथ कार्य कर सकते हैं। इस फील्ड में आप शुरुआती तौर पर 30 से 50 हजार रुपये प्रतिमाह सैलरी पा सकते हैं। वहीं कुछ वर्षों का कार्य अनुभव होने के बाद आप 20 लाख रुपये या इससे अधिक तक का सालाना पैकेज ले सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

टिम्बकटू में नौ साल तक क्या कर रही थी ांसीसी सेना ? अब कर रही है घर वापसी

बमाको (माली)

फ्रांसीसी सेना मंगलवार रात को अफ्रीकी देश माली के टिम्बकटू शहर से रवाना हो गई। फ्रांसीसी सैनिकों ने उत्तरी माली में स्थित टिम्बकटू शहर के सैन्य अड्डे को खाली कर दिया है। माली फ्रांस का उपनिवेश रह चुका है और इस्लामी चरमपंथियों को खदेड़ने के लिए करीब नौ साल पहले फ्रांस ने अपनी सेना को वहां पर भेजा था। फ्रांस के इस कदम पर सवाल उठने लगे हैं और कहा जा रहा है कि क्या माली की सेना खुद कार्रवाई कर चरमपंथियों को रोक पाने में सक्षम है। वह भी तब जब आतंकियों ने साल 2013 के हमले के बाद से खुद को मजबूत किया है और देश के दक्षिणी इलाके में अपनी पहुंच को बढ़ाया है। इस खतरे के बीच फ्रांस की सेना ने मंगलवार रात को एक बयान जारी करके दावा किया कि माली की सेना की 'टिम्बकटू में अच्छी पकड़ है।' इसके अतिरिक्त वहां संयुक्त राष्ट्र के करीब 2200 शांतिरक्षक भी स्थायी रूप से तैनात हैं।

फ्रांस ने अपने माली मिशन पर 5100 सैनिकों को तैनात किया

करीब नौ साल पहले फ्रांस ने माली में सैन्य हस्तक्षेप का ऐलान किया था। अब फ्रांसीसी सैनिकों ने टिम्बकटू के इस प्रमुख सैन्य अड्डे को माली की सेना को सौंप दिया है। इसके साथ ही अब इस पश्चिमी अफ्रीकी देश में फ्रांस का सैन्य हस्तक्षेप खत्म होने जा रहा है। फ्रांस ने अपने माली मिशन पर 5100 सैनिकों को तैनात किया था जो साहेल इलाके में मौजूद थे। इस दौरान स्थानीय सरकार और वहां की बेहद कमजोर सेना की मदद की गई ताकि वे इस्लामिक आतंकियों का मुकाबला कर सकें। इस्लामी आतंकियों के हमले में हजारों लोग मारे गए हैं। फ्रांसीसी सेना ने 8 साल पहले टिम्बकटू शहर को जिहादियों से मुक्त कराया था। इस दौरान सड़कों पर स्थानीय लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया था। टिम्बकटू शहर की पत्रकार येहिया टंडानिया कहती हैं, जब हमारा शहर आजाद हुआ था तब लोग भावुक हो गए थे, महिलाएं रो पड़ी थीं।

भारत 'कठिन पड़ोसियों' के बीच स्थित है, सीमाओं की रक्षा करने में करेंगे मददः अमेरिका

वॉशिंगटन। भारत में अमेरिका के अगले राजदूत के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की ओर से नामित लॉस एंजिलिस के मेयर एरिक माइकल गार्सेटी ने कहा है कि भारत 'कठिन पड़ोसियों' के बीच स्थित है। गार्सेटी ने कहा कि वह %अपनी सीमाओं एवं संप्रभुता की रक्षा करने तथा हमलों को रोकने की' भारत की क्षमता को मजबूत करने के अमेरिकी प्रयासों को और आगे बढ़ाएंगे। भारत के लिए अमेरिका के राजदूत पद पर अपने नाम की पुष्टि संबंधी सुनवाई के दौरान गार्सेटी ने सांसदों से कहा, 'भारत कठिन पड़ोसियों के बीच स्थित है। यदि मेरे नाम की पुष्टि हो जाती है तो मैं इसकी सीमाओं एवं संप्रभुता की रक्षा करने और हमलों को रोकने की भारत की क्षमता को मजबूत करने के अमेरिकी प्रयासों को और आगे बढ़ाऊंगा।'

धरती की इस जगह पर होगी सूरज से दोगुना गर्मी, 5 करोड़ डिग्री सेल्सियस रहेगा तापमान

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

सूरज अपनी प्रचंड गर्मी की मदद से किसी भी चीज को जलाकर राख करने की ताकत रखता है। सूरज से निकलने वालीं सौर लपटें धरती के चक्कर लगा रहे सैटलाइट को पलभर में खाक कर सकती हैं। अब वैज्ञानिक सूरज की तरह से धरती पर प्रचंड गर्मी पैदा करने जा रहे हैं। दक्षिणी इंग्लैंड में एक छोटा सा रेलवे कस्बा है जो इतिहास में अपना नाम दर्ज कराने जा रहा है। यहीं पर

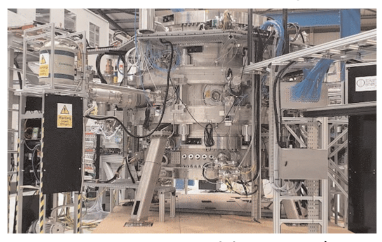

न्यूक्लियर फ्यूजन शुरू होने जा रहा है। यहां पर 5 करोड़ डिग्री सेल्सियस तापमान एक छोटे से कमरे में पैदा किया जाएगा जो सूरज की गर्मी से दोगुना है। इस महाप्रयोग के लिए वैज्ञानिक पिछले कई दशकों से इंतजार कर रहे थे। ब्रिटेन के ऑक्सफोर्डशायर इलाके में वैज्ञानिक प्रयोग के दौरान न्यूक्लियर फ्यूजन प्रक्रिया के जरिए बड़े पैमाने पर लो कॉर्बन एनर्जी पैदा करेंगे। वैज्ञानिक पिछले कई दशकों से ऐसा करने का प्रयास कर रहे थे लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिल रही थी। अब डिडकोट इलाके में स्थित एक प्राइवेट कंपनी टोकामैक एनर्जी अपने परमाणु रिएक्टर को 5 करोड़ डिग्री सेल्सियस तक फायर करने जा रही है। यह सूरज के मूल तापमान का लगभग दोगुना है। वैज्ञानिकों का दल हाइड्रोजन एटम्स को एक करने के लिए दबाव डालेगा जिससे हीलियम पैदा किया जा सके। यह नाभिकीय संलयन बल ठीक उसी तरह से है जो सूरज को ऊर्जा देता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस महाप्रयोग के बाद ब्रिटिश कस्बा सोलर सिस्टम का नया केंद्र नहीं बन जाएगा बल्कि इससे भविष्य में यहां से सस्ती और साफ ऊर्जा की आपूर्ति हो सकेगी। टोकामैक एनर्जी के सीईओ क्रिस केलसाल ने कहा, %हम इसे कर दिखाएंगे। साफ और स्वच्छ ऊर्जा का जवाब जैसाकि हम कहते हैं, प्रकृति के पास है। हमें उस रास्ते की तलाश करनी होगी, जिसके जरिए सुरक्षित हल तलाश किया जा सके। इसे तलाश किया जाएगा। यूरो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिक इतने ज्यादा तापमान पर यह प्रयोग इसलिए करने जा रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या न्यूक्लियर फ्यूजन जितना ऊर्जा इस्तेमाल करता है, उससे ज्यादा ऊर्जा पैदा कर सकता है या नहीं।

ब्रिटेन में बूस्टर डोज संकट

क्रिसमस से पहले तीसरा डोज चाहते हैं ब्रिटिश एक दिन में 44 लाख ने अप्लाई किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज लंदन

ब्रिटेन में एक दिन में दो लाख से ज्यादा कोरोना केस मिलने के बाद लोगों में वैक्सीन के बूस्टर डोज के लिए होड़ मच गई है। ज्यादातर ब्रिटिश क्रिसमस से पहले तीसरा डोज चाहते हैं। इसे देखते हुए यूनाइटेड किंगडम नेशनल हेल्थ सर्विस वेबसाइट पर एक दिन में 44 लाख से ज्यादा लोगों ने स्लॉट बुक करने की कोशिश की, लेकिन सिर्फ 5 लाख 45 हजार को ही स्लॉट मिल पाया। ब्रिटेन में इतनी बड़ी तादाद में लोग बूस्टर डोज के लिए अप्लाई कर रहे हैं कि बूस्टर डोज का संकट खड़ा हो गया है। हेल्थ सेंटर्स के बाहर सुबह से लंबी कतारें देखी गईं, लोग अपनी बारी का इंतजार करते देखे गए। वहीं, ह।।स प्रमुख ने बूस्टर डोज को लेकर कहा- एक हफ्ते में 50 लाख बूस्टर शॉट तक पहुंचना संभव है, लेकिन कोई वादा नहीं किया जा सकता।

दो से तीन दिन में दोगने हो रहे ओमिक्रॉन केस

ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों को लेकर ब्रिटेन के हेल्थ सेक्रेटरी ने बताया कि बूस्टर शॉट रजिस्ट्रेशन के लिए इतने ज्यादा लोग लॉगइन थे कि वेबसाइट ही क्रैश हो गई। हेल्थ डिपार्टमेंट के मुताबिक, दो से तीन दिन में ओमिक्रॉन वैरिएंट के मामले दोगुने हो रहे हैं। मंगलवार को ब्रिटिश उप प्रधान मंत्री डॉमिनिक रॉब ने बताया कि ओमिक्रॉन संक्रमित कम से कम 250 लोग अस्पताल में हैं। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि एक दिसंबर को ओमिक्रॉन का पहला केस मिलने के बाद 13 दिसंबर तक यह आंकड़ा 4250 को पार कर गया है।

हर दिन 10 लाख बूस्टर शॉट लगाने का टारगेट

ओमिक्रान के बढ़ते खतरे के बीच प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने रविवार को देश को संबोधित किया। ओमिक्रॉन से पहली मौत की पुष्टि की। जिसके बाद 10 लाख से ज्यादा लोगों ने बूस्टर शॉट लिया या तीसरा डोज बुक किया। ब्रिटिश सरकार कोरोना पर काबू पाने के लिए हर दिन 10 लाख बूस्टर शॉट लगाने का टारगेट लेकर चल रही है, लेकिन अभी तक 6 लाख का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई है। जॉनसन ने 31 दिसंबर से पहले सभी युवाओं को बूस्टर शॉट देने की बात कही थी। फिलहाल, 30 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को ही बूस्टर शॉट दिया जा रहा है।

डेल्टा को पछाड़ देगा ओमिक्रॉन:- जॉनसन के मुताबिक- ओमिक्रॉन जिस तेजी से फैल रहा है, वह जल्द ही डेल्टा वैरिएंट को पछाड़ देगा। लंदन और दूसरे हिस्सों में केस बढ़ रहे हैं। नवंबर में इस नए वैरिएंट की पहचान की गई थी। अब यह करीब 50 देशों में पाया जा चुका है। भारत में भी इस वैरिएंट के 61 मामले सामने आ चुके हैं।

यूएई ने अमेरिका को दिया 23 अरब डॉलर का झटका, एफ-35 लड़ाकू विमानों पर बातचीत रोकी

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात ने अमेरिका को बड़ा झटका देते हुए F-35 लड़ाकू विमानों और ड्रोन सौदे को लेकर चल रही बातचीत को रोक दिया है। यह सैन्य सौदा करीब 23 अरब डॉलर का था। खाड़ी देशों में अमेरिका के प्रमुख सहयोगी यूएई के साथ इस दुर्लभ विवाद से बाइडन प्रशासन को करारा झटका लगा है। यूएई के अमेरिका स्थित दूतावास ने ऐलान किया कि वह बाइडन प्रशासन के साथ बातचीत को रोक रहा है। इस ऐलान के बाद भी यूएई और अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन के बीच अन्य मुद्दों पर इस सप्ताह बातचीत तय कार्यक्रम के मुताबिक होगी। दूतावास ने कहा कि अमेरिका आगे भी पसंदीदा रक्षा उपकरण प्रदाता बना रहेगा और भविष्य में एफ-35 लड़ाकू विमानों के लिए बातचीत फिर से शुरू हो सकती है। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति रहने के दौरान कार्यकाल के अंतिम दिनों में 50 एफ-35 लड़ाकू विमानों को लेकर समझौता हुआ था।

अमेरिकी शर्तें यूएई की संप्रभुता का उल्लंघन:- इस डील के बाद यूएई ने औपचारिक रूप से इजरायल को मान्यता दे दी थी। इस बीच अमेरिका में बाइडन प्रशासन के सत्ता में आने के बाद इस सौदे को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। बाइडन प्रशासन ने यमन में यूएई और सऊदी अरब की भूमिका को देखते हुए इस डील को ठंडे बस्ते में डाल दिया। इस डील के तहत 18 अत्याधुनिक ड्रोन दिए जाने थे जो हवा से हवा और हवा से जमीन तक मार करने वाली मिसाइलों से लैस थे। यूएई ने कहा कि अमेरिका दबाव डाल रहा था कि कहां और किस परिस्थिति में एफ-35 विमान का इस्तेमाल करना है, यह वह तय करेगा। खाड़ी देश ने कहा कि यह उसकी संप्रभुता का उल्लंघन है। वहीं अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उनका प्रशासन इस प्रस्तावित सौदे के प्रति अभी प्रतिबद्ध बना रहेगा। साथ यूएई के साथ इस संबंध में बातचीत करता रहेगा। वहीं पेंटागन के प्रवक्ता ने जॉन किर्बी ने कहा कि अमेरिका की अमेरिकी हथियारों को लेकर शर्तें वही हैं जो दुनिया के अन्य देशों के साथ हैं।

भोजन और पानी न मिलने से 6 जिराफों की मौत केन्या से सामने आई दिल दहलाने वाली तस्वीर

30 फीसदी से भी कम बारिश से केन्या में हालात बिगड़े

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नैरोबी

अफ्रीकी देश केन्या भयानक सूखे का सामना कर रहा है। सूखे का असर यहां के जंगली जानवरों पर भी पड़ रहा है। भोजन और पानी न मिलने की वजह से यहां के वजीर इलाके में स्थित साबुली वाइल्ड लाइफ सेंचुरी में 6 जिराफों की मौत हो गई। इनके मौत के बाद की तस्वीरें दुनिया भर में सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। दिल दहला देने वाली इन तस्वीरों में दिख रहा है कि भोजन और पानी के अभाव में इनका शरीर जर्जर हो गया था। बताया जा रहा है कि ये जिराफ पानी की तलाश में लगभग सूख चुके एक जलाशय के पास आए थे, जहां कीचड़ में वे फंस गए। जिराफ इतने कमजोर हो गए थे कि उससे बाहर नहीं निकल सके और वहीं पर तड़प-तड़प कर उन्होंने दम तोड़ दिया।

तस्वीरों ने दुनिया को सोचने के लिए मजबूर किया

जिराफों के शवों को दूसरी जगह ले जाया गया, जहां ये तस्वीरें यह ली गईं। जलाशय के बचे पानी को दूषित होने से बचाने के लिए शवों को वहां से हटाया गया। इन तस्वीरों ने दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। साथ ही यह सोचने पर मजबूर किया कि है कि पर्यावरण की अनदेखी कितनी भारी पड़ सकती है।

केन्या के उत्तरी इलाके में सितंबर के बाद सामान्य से 30 फीसदी से भी कम बारिश हुई है, जिससे यहां भयंकर सूखा पड़ा है। बारिश की कमी ने जंगली जानवरों पर विनाशकारी असर डाला है। पशु पालने वाले समुदायों का जीवन भी काफी प्रभावित हुआ है। पशुओं के लिए भोजन और पानी की व्यवस्था करने में मुश्किल पेश आ रही है।

सूखे से जंगली जानवरों को सबसे ज्यादा खतरा

बोर-अल्गी जिराफ सेंचुरी में काम करने वाले इब्राहिम अली ने बताया कि जंगली जानवरों को सबसे ज्यादा खतरा है। पालतू जानवरों की तो मदद की जा रही है लेकिन वन्यजीवों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। उन्होंने बताया कि नदी के किनारे खेती करने से रोक दिया गया है। नदी तक जिराफों की पहुंच भी मुश्किल हो गई है। हालात बहुत खराब हैं।

किसानों के विवादास्पद कृषि सुधार कानूनों के खिलाफ एक साल से चल रहे आंदोलन को नई दिल्ली में समाप्त करने के बाद बीकेयू के प्रवक्ता राकेश टिकैत छोड़ने की तैयारी कर रहे हैं। केंद्र से अपनी लंबित मांगों को लेकर औपचारिक पत्र मिलने के बाद किसानों ने अपना आंदोलन वापस ले लिया है।

पटना में COVID-19 के ओमि ॉन संस्करण के फैलने की आशंका के बीच, पाटलिपुत्र स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स के अंदर 110-बेड की संगरोध सुविधा स्थापित की जा रही है।

फाइजर का दावा- हमारी कोरोना टैबलेट 90 फीसदी प्रभावी, ओमिक्रॉन पर भी होगा इसका असर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

अमेरिकी ड्रग निर्माता कंपना फाइजर ने मंगलवार को कहा कि उनकी एंटीवायरल कोविड पिल (टैबलेट या गोली) पैक्सालोविड कोरोना के खिलाफ 90 फीसदी प्रभावी है। इस दवा से हाई रिस्क पेशेंट्स को मौत या अस्पताल में भर्ती होने से बचाया जा सकता है। लैब डेटा के मुताबिक, यह दवा कोरोना के नए ओमिक्रॉन वैरिएंट पर भी कारगर साबित हुई है। फाइजर ने पिछले महीने बताया था कि यह मेडिसिन अस्पताल में भर्ती होने या मौतों को रोकने में करीब 89 फीसदी प्रभावी थी। यह आंकड़े करीब 1200 लोगों पर दवा के परीक्षण के बाद जारी किए गए थे। हालांकि, मंगलवार को जारी किए गए नए आंकड़ों में 1000 और लोगों को शामिल किया गया था।

फाइजर पैक्सालोविड टैबलेट के फायदे

पैक्सालोविड कोविड-19 के लक्षणों को कम करती है। कोरोना के इलाज में इस टैबलेट को ऐतिहासिक कामयाबी

के तौर पर देखा जा रहा है। इससे मौतों की संख्या तो कम की ही जा सकेगी, इसके अलावा ज्यादातर मरीजों को अस्पताल जाए बिना घर में ही ठीक किया जा सकेगा।

गरीब देशों में बनाई और बेची जा सकेगी

अमेरिकी कंपनी फाइजर ने पिछले हफ्ते कहा था कि उसकी कोविड-19 पिल गरीब देशों में बनाई और बेची जा सकेगी। फाइजर ने कहा कि वह जिनेवा स्थित मेडिसिन पेटेंट पूल को एंटीवायरल पिल का लाइसेंस देगा। इससे जेनेरिक दवा कंपनी गोली का उत्पादन कर सकेंगी। इन गोलियों का उपयोग लो और मिड इनकम वाले 95 देशों में किया जा सकेगा।

जर्मन कंपनी मर्क ने भी बनाई है टैबलेट

यानी करीब 53 फीसदी आबादी की इस गोली तक पहुंच होगी। इस डील में ब्राजील जैसे कुछ बड़े देश शामिल नहीं हैं। अग्रीमेंट की शर्तों के तहत, फाइजर को कम आय वाले देशों में बिक्री पर रॉयल्टी नहीं मिलेगी। फाइजर से पहले जर्मन कंपनी मर्क भी मोल्नुपिराविर कोविड टैबलेट बना चुकी है। ब्रिटेन सरकार ने पिछले महीने ही इसे सशर्त मंजूरी भी दे दी है। इसके साथ ही ब्रिटेन पहला देश बन गया है जिसने कोरोना के इलाज के लिए किसी दवा को मंजूरी दी है। मर्क फार्मा मूल रूप से जर्मन कंपनी है। कुछ दिन पहले जर्मन दवा कंपनी मर्क ने कहा था कि वो अपनी कोविड-19 पिल (टैबलेट) दूसरी कंपनियों को भी बनाने की मंजूरी देगी। कंपनी के इस फैसले से सबसे ज्यादा फायदा उन गरीब मुल्कों को होगा, जो कोविड-19 के महंगे वैक्सीन खरीदने में सक्षम नहीं हैं।

न्यूज ब्रीफ

सिकुगे प्रसन्ना ने LPL में खेली तूफानी पारी, मात्र 6 गेंदों में 32 रन बनाकर बदल दिया परिणाम

कोलंबो। टी20 क्रिकेट का ऐसा प्रारूप है जिसमें एक ओवर में ही पूरा खेल बदल जाता है। ऐसा ही कुछ कोलंबो में खेले गए लंका प्रीमियर लीट के एक मैच में देखने को मिला। यहां कैंडी वारियर्स के खिलाफ खेले गए रोमांचक मुकाबले में कोलंबो स्टार्स के खिलाड़ी सिकुगे प्रसन्ना ने टीम को एक ओवर में 5 छक्के लगाकर 32 रन बनाए और टीम को जीत दिला दी। मैच में कैंडी वारियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए केनर लुईस के अर्धशतक की बदौलत 9 विकेट पर 146 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलंबो स्टार्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 61 रन पर 4 विकेट गंवा दिए जिसके बाद दिनेश चांडीमल ने 27 गेंद पर 44 रन बनाकर टीम को संभाला। उन्होंने 4 चौके और एक छक्का लगाया। हालांकि ये स्कोर काफी नहीं था और एक समय टीम को 13 गेंदों पर 37 रन की जरूरत थी। वहीं सिकुगे प्रसन्ना बल्लेबाजी करने उतरे और पूरा पासा ही पलट दिया। प्रसन्ना ने 18वें ओवर की अंतिम गेंद पर छक्का लगाकर खाता खोला। बिनुरा फर्नांडो ने 15 रन दिए। इस ओवर में सिकुगे प्रसन्ना को 2 गेंद खेलने का मौका मिला और उन्होंने एक छक्के सहित 8 रन बटोरे। अंतिम ओवर में टीम को 16 रन की जरूरत थी। रदरफोर्ड ने एक रन लिया और प्रसन्ना ने लगातार तीन छक्के लगाकर 6 गेंदों पर कुल 32 रन बनाते हुए टीम को जीत दिलाई।

तमिलनाडु, सौराष्ट्र और यूपी विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट चरण में

नई दिल्ली। तमिलनाडु और कर्नाटक को विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय टूर्नामेंट के ग्रुप बी के अपने अंतिम लीग मैच में क्रमशः बड़ौदा और बंगाल के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा लेकिन ये दोनों टीमें बेहतर नेट रन रेट के कारण नॉकआउट चरण में जगह बनाने में सफल रही। तमिलनाडु को बड़ौदा ने 41 रन से हराया जबकि कर्नाटक को बंगाल ने चार विकेट से शिकस्त दी। गत चैंपियन मुंबई को पुडुचेरी के खिलाफ 18 रन से शिकस्त का सामना करना पड़ा और टीम छह टीमों के ग्रुप में एक जीत से चार अंक के साथ अंतिम स्थान पर रही। तमिलनाडु (+1.052), कर्नाटक (+0.789), बंगाल (-0.235) और पुडुचेरी (-1.360) के पांच मैचों में तीन-तीन जीत और दो-दो हार से समान 12 अंक रहे। तमिलनाडु और कर्नाटक से बेहतर नेट रन रेट के साथ नॉकआउट में जगह बनाई। सौराष्ट्र ने दिल्ली को चार विकेट से हराकर विजय हजारे ट्राफी वनडे टूर्नामेंट के ग्रुप सी में लगातार पांचवीं जीत से क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जबकि उत्तर प्रदेश भी हरियाणा पर 78 रन से जीत दर्ज करके नॉकआउट चरण में अपनी जगह सुरक्षित करने में सफल रहा।

वीमंस वर्ल्डकप 2022 के लिए शेड्यूल जारी : भारत पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा विश्व कप 2022 में पहला मुकाबला; 4 मार्च से 3 अप्रैल के बीच

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय वीमंस क्रिकेट टीम 2022 में न्यूजीलैंड होने वाली वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ 6 मार्च को अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इस साल टी-20 वर्ल्ड कप में भी भारतीय पुरुष टीम ने अभियान की शुरुआत पाकिस्तान के खिलाफ ही की थी। हालांकि इस मैच में भारत को हार का सामना करना पड़ा था। वीमंस वर्ल्ड कप अगले साल 4 मार्च से 3 अप्रैल के बीच न्यूजीलैंड में होना है। पहले यह मैच 2021 में 6 फरवरी से 7 मार्च के बीच होना था, लेकिन कोरोना की वजह से इसे एक साल के लिए टाल दिया गया था।

भारत सहित चार देशों ने डायरेक्ट क्वॉलिफाई किया

31 दिन चलने वाले इस टूर्नामेंट में कुल 31 मैच खेले जाएंगे। इस वर्ल्ड कप में 8 टीमें भाग लेंगी। ICC के अनुसार ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और भारत ने ICC वीमंस चैंपियनशिप 2017-2020 में अपने स्थान के आधार पर इस इवेंट के लिए क्वालिफाई किया, जबकि मेजबान होने के नाते न्यूजीलैंड ने ऑटमैटिकली क्वालिफाई कर लिया।

लीग फॉर्मेट में खेला जाएगा टूर्नामेंट

ICC वीमंस वर्ल्ड कप 2022 लीग फॉर्मेट में खेला जाएगा। सभी टीमें एक-दूसरे से भिड़ेंगी। लीग में टॉप चार पर रहने वाली टीमों के बीच सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाएगा। वर्ल्ड कप का पहला सेमीफाइनल मुकाबला वेलिंगटन में 30 मार्च को खेला जाएगा। दूसरा सेमीफाइनल 31 मार्च को हेग्ले ओवल में खेला जाएगा। फाइनल मुकाबला 3 अप्रैल को खेला जाएगा। दोनों सेमीफाइनल और फाइनल के लिए ICC ने एक रिजर्व डे रखा है।

वनडे रैंकिंग के आधार पर पाकिस्तान क्वालिफाई

कोरोना वायरस की वजह से महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालिफायर को रद्द कर दिया गया था। ऐसे में पाकिस्तान, बांग्लादेश और वेस्टइंडीज टीम को रैंकिंग के आधार पर टॉप आठ टीमों में शामिल किया गया है। पिछली बार महिला वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया में खेला गया था। ऑस्ट्रेलिया में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर कब्जा जमाया था।

विराट की प्रेस कॉन्फ्रेंस : कोहली ने कहा-

वनडे सीरीज खेलने के लिए तैयार हूं बोर्ड से आराम की बात नहीं कही

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टीम इंडिया के दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले भारतीय टेस्ट टीम के कैप्टन विराट कोहली ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की है। दक्षिण अफ्रीका सीरीज के दौरान विराट कोहली वनडे सीरीज में खेलेंगे या नहीं, इस सवाल का जवाब बुधवार को खुद विराट कोहली ने दिया। उन्होंने कहा कि BCCI से कभी आराम के बारे में कोई बात नहीं की थी। मैं वनडे सीरीज खेलने के लिए उपलब्ध हूं। कोहली ने कहा, पांचों सिलेक्टर्स ने फैसला किया कि मैं वनडे का कैप्टन नहीं रहूंगा। पहले से मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। वनडे सीरीज के लिए मैं उपलब्ध हूं।

चयनकर्ताओं ने बता दिया था कि कप्तानी से हटा रहे हैं- कोहली

विराट कोहली ने कहा कि टेस्ट टीम के सिलेक्शन से डेढ़ घंटे पहले उनसे बोर्ड ने संपर्क किया था। मीटिंग के दौरान सिलेक्शन को लेकर चर्चा हुई और इसके बाद मुख्य चयनकर्ता ने बताया था कि कोहली को वनडे टीम का कप्तान नहीं बनाया जाएगा और कोहली ने कहा कि मुझे इससे कोई परेशानी नहीं।

रोहित को लेकर क्या बोले विराट

रोहित शर्मा को लेकर टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने कहा कि वे टीम के अहम खिलाड़ी हैं और उनका न होना हमेशा टीम को अखरता है। टेस्ट सीरीज के दौरान वे चोट की वजह से नहीं रहेंगे और इस मौके पर ओपनिंग में उनकी कमी खलेगी। विराट कोहली ने अपनी कप्तानी को लेकर कहा- मेरी बल्लेबाजी पर कप्तानी से हटाए जाने के बाद बहुत ज्यादा असर नहीं देखने को मिलेगा। जब भी मैं इंडिया के लिए खेलता हूं तो मैं अपना सबकुछ देता हूं। जिस तरह से मैं भारत के लिए वनडे में अपना योगदान देता था, उसी तरह से देता रहूंगा।

बोर्ड ने कभी यह नहीं कहा था कि मैं टी-20 की कप्तानी न छोड़ूं

कोहली ने कहा कि टी-20 की कप्तानी छोड़ने से पहले उन्होंने बोर्ड से बात की थी। बोर्ड भी उनकी इस बात से सहमत था। बोर्ड ने कभी यह नहीं कहा था कि मैं टी-20 की कप्तानी न छोड़ूं। कोहली ने कहा था कि मैं टेस्ट और वनडे में कॉन्टीन्यू करना चाहूंगा। बोर्ड के साथ मेरी बातचीत जारी है। इससे पहले बोर्ड अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा था कि हमने कोहली से टी-20 की कप्तानी से हटने से मना किया था। बीसीसीआई के बयानों से कन्फ्यूजन हुआ रोहित और विराट के बीच कलह की खबरों के बीच बीसीसीआई के अधिकारियों के कई बयान आए। इन बयानों के चलते विराट कोहली के वनडे सीरीज में खेलने को लेककर कन्फ्यूजन पैदा हुआ। बीसीसीआई के एक सूत्र ने पहले कहा कि वनडे सीरीज में विराट कोहली ब्रेक पर रहेंगे।

रोहित ने विराट की जमकर तारीफ की थी

रोहित शर्मा कप्तान बनने के बाद बीसीसीआई ञ्क्ष् को अपना पहला इंटरव्यू कुछ दिन पहले दिया था। इस इंटरव्यू में उन्होंने विराट कोहली की जमकर तारीफ भी की थी। रोहित ने कहा था, %कोहली ने 5 साल तक भारतीय टीम को फ्रंट से लीड किया है। कोहली ने सभी मैचों में अपना बेस्ट देना चाहा। उनकी कप्तानी में टीम ने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा है। मेरे लिए कोहली की कप्तानी में खेलने का अनुभव शानदार रहा। हम दोनों ने काफी क्रिकेट साथ में खेली है और हर मौके को एंजॉय किया है।

साउथ अफ्रीका दौरे के लिए टीम इंडिया की टेस्ट टीम

विराट कोहली (कप्तान), केएल राहुल, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, श्रेयस अय्यर, हनुमा विहारी, ऋषभ पंत, ऋद्धिमान साहा, रविचंद्रन अश्विन, जयंत यादव, ईशांत शर्मा, मोहम्मद शमी, उमेश यादव, जसप्रीत बुमराह, शार्दूल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, प्रियंक पांचाल (रोहित शर्मा की जगह)

रोहित-विराट विवाद में खेल मंत्री की दो टूक

खेल सबसे ऊपर है, इससे बड़ा कोई नहीं; बीसीसीआई यह मसला देखे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टीम इंडिया में रोहित और विराट के बीच चल रहा विवाद तूल पकड़ता जा रहा है। इस पर केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने बिना किसी का नाम लिए कड़ा संदेश दिया है। बुधवार को संसद से बाहर मीडिया ने उनसे इस विवाद पर सवाल किया तो उन्होंने दो टूक कहा, 'खेल से बड़ा कोई नहीं है, खेल ही सुप्रीम है। खिलाड़ियों के बीच क्या चल रहा है, मैं यह नहीं बता सकता। ये उनसे जुड़े एसोसिएशन या संस्थान की जिम्मेदारी है। यही सही होगा कि वे इस पर जानकारी दें।' दरअसल, साउथ अफ्रीका दौरे से पहले रोहित और विराट के बीच मनमुटाव की खबरें आ रही हैं। वनडे और टी-20 टीम के कप्तान रोहित शर्मा हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से इस दौरे की टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं। बीसीसीआई पुष्टि कर चुका है। अब इस दौरे की वनडे सीरीज से टेस्ट कप्तान विराट कोहली के नाम वापस लेने की खबरें हैं।

अजहरुद्दीन ने सोशल मीडिया पर किया था पोस्ट

पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने रोहित शर्मा के चोटिल होने और विराट कोहली के अचानक वनडे सीरीज से ब्रेक लेने पर सवाल खड़े किए हैं। ट्विटर पर अजहर ने लिखा, 'विराट का ब्रेक लेना तो ठीक है, लेकिन उनकी टाइमिंग पर कई सवाल खड़े होते हैं।'

रोहित चोट की वजह से टेस्ट से बाहर:- भारतीय टीम साउथ अफ्रीका दौरे के लिए 16 दिसंबर को रवाना होगी। तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच 26 दिसंबर से होगा। टेस्ट सीरीज में विराट कोहली टीम की कप्तानी करेंगे। वनडे सीरीज 19 जनवरी से खेली जानी है।

ढाका। गत चैंपियन और टोक्यो ओलिंपिक कांस्य पदक विजेता भारत की बाकी टीम को मंगलवार को यहां एशियाई चैंपियंस ट्राफी पुरुष हाकी टूर्नामेंट के पहले मैच में कोरिया ने 2-2 से बराबरी पर रोक दिया। टोक्यो ओलिंपिक में ऐतिहासिक कांस्य पदक के बाद पहला टूर्नामेंट खेलने उतरी भारतीय टीम ने शानदार शुरुआत की।

SUPER HERO
यदि आप
किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।
हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।
Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com
PRESS ITDC
ITDC NEWS

भारत का साउथ अफ्रीका दौरा : टीम इंडिया के लिए राहत, अफ्रीका पहुंचने पर भारतीय टीम को 1 दिन रहना होगा क्वारैंटाइन; होंगे 3 टेस्ट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय टीम के लिए साउथ अफ्रीका दौरे पर राहत की खबर है। टीम इंडिया को 16 दिसंबर को साउथ अफ्रीका के दौरे पर जाना है। साउथ अफ्रीका क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भारतीय टीम को बड़ी रियायत दी है। अब अफ्रीका पहुंचने पर भारतीय क्रिकेट टीम को कड़े क्वारैंटाइन में नहीं रहना होगा। वहां पहुंचने के बाद विराट कोहली की अगुआई वाली टीम इंडिया सिर्फ एक दिन होटल के कमरे में आइसोलेट होगी। इसी दौरान खिलाड़ियों का 3 बार कोरोना टेस्ट होगा और निगेटिव रिपोर्ट आने के बाद खिलाड़ी आइसोलेशन से बाहर आ सकेंगे। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 26 दिसंबर से सेंचूरियन में पहला टेस्ट खेला जाएगा।

रवाना से पहले भारतीय टीम मुंबई में तीन दिन बायो-बबल में रही

अफ्रीका रवाना से पहले ही भारतीय टीम तीन दिन मुंबई में बायो-बबल में रही। इस बीच खिलाड़ियों का तीन बार कोरोना टेस्ट भी हुआ। क्वारैंटाइन अवधि पूरी होने के बाद भारतीय टीम चार्टर्ड फ्लाइट के जरिए दक्षिण अफ्रीका की उड़ान भरेगी।

अफ्रीका में होंगे तीन टेस्ट

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय टीम के साउथ अफ्रीका के जोन्हासबर्ग में पहुंचने पर पहले से तय होटल में एक दिन क्वारैंटाइन रहेगी और सेंचूरियन में अपने होटल के लिए रवाना हो जाएगी। भारतीय टीम 19 दिसंबर से सेंचूरियन में अभ्यास करेगी, जहां पहला मैच 26 दिसंबर से खेला जाएगा।

परिवार लेने जाने की इजाजत नहीं:- दक्षिण अफ्रीका में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के मामले तेजी से बढ़ने के कारण बीसीसीआई ने भारतीय टीम के खिलाड़ियों को परिवार को लेकर जाने की इजाजत नहीं दी है। जोहान्सबर्ग और सेंचूरियन में ओमिक्रॉन के नए केस लगातार सामने आ रहे हैं और भारत को इन्हीं दो वेन्यू पर पहले 2 टेस्ट खेलने हैं।

न्यूज ब्रीफ

टाटा मोटर्स का यात्री वाहनों के वित्त के लिए बंधन बैंक के साथ समझौता

नयी दिल्ली। वाहन विनिर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने अपने यात्री वाहनों के वित्त के लिए निजी क्षेत्र के बंधन बैंक के साथ समझौता किया है। टाटा मोटर्स ने बुधवार को एक बयान में कहा कि इस समझौते के तहत यात्री वाहन खरीदने वाले टाटा मोटर्स के ग्राहकों को बंधन बैंक 7.5 प्रतिशत की शुरुआती ब्याज दर से वाहनों पर ऋण देगा। कंपनी ने कहा कि यह योजना वाहन की कुल कीमत पर अधिकतम 90 फीसदी वित्तपोषण की पेशकश करेगी। टाटा मोटर्स ने कहा कि ग्राहक सात साल तक की पुनर्भुगतान अवधि के साथ विशेष ईएमआई विकल्पों का भी लाभ उठा सकते हैं।

ताजा सौदों की लिवाली से बिनौलातेल खली वायदा कीमतों में तेजी

नई दिल्ली। मजबूत हाजिर मांग के कारण सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे वायदा कारोबार में बुधवार को बिनौलातेल खली की कीमत 45 रुपये की तेजी के साथ 2 एनसीडीईएक्स में बिनौलातेल खली के दिसंबर माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 45 रुपये अथवा 1.63 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,809 रुपये प्रति क्विन्टल हो गई जिसमें 9,770 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि हाजिर बाजार में पशुचारा बनाने वाली कंपनियों की मांग बढ़ने से कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे मुख्यत~ बिनौलातेल खली वायदा कीमतों में तेजी आई।

पियाजियो वीकल्स ने अप्रैल-नवंबर के बीच 15,206 तिपहिया मालवाहक वाहन बेचे

मुंबई। छोटे वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली कंपनी पियाजियो वीकल्स ने इस वर्ष अप्रैल से नवंबर के दौरान 15,206 तिपहिया मालवाहक वाहनों की बिक्री की है। ई-कॉमर्स कंपनियों और डिलीवरी कारोबार में बढ़ती मांग से बिक्री में तेजी आई है। कंपनी ने बुधवार को बताया कि बिक्री संख्या नवंबर तक के डेटा पर आधारित है और इसमें आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और मध्य प्रदेश के बिक्री आंकड़े शामिल नहीं है। पियाजियो वीकल्स के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डिएगो ग्रैफी ने कहा, ''पियाजियो ने भारत को सबसे अधिक लागत प्रभावी मालवाहक तिपहिया वाहन पेश किया है जो तब से इस श्रेणी में सबसे अधिक बिकने वाला तिपहिया वाहन है।''

पांचवें फंड हाउस की लिस्टिंग की तैयारी : एसबीआई म्यूचुअल फंड लाएगा आईओ, जुटा सकता है 7,500 करोड़ रुपए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय स्टेट बैंक की म्यूचुअल फंड कंपनी एसबीआई म्यूचुअल फंड आईपीओ की तैयारी कर रही है। इसके जरिए कंपनी 7,500 करोड़ रुपए जुटा सकती है। म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में यह सबसे बड़ा आईपीओ होगा।ैंक के सेंट्रल बोर्ड की कार्यकारी कमिटी ने इस संबंध में मंजूरी की तैयारी कर रही है। बैंक फंड हाउस में 6 फीसदी हिस्सेदारी बेच सकता है। इस तरह की जानकारी बैंक ने स्टॉक एक्सचेंज पर दी है।

सबसे बड़ा फंड हाउस है

बता दें कि म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में एसबीआई म्यूचुअल फंड सबसे बड़ा फंड हाउस है। इसका असेट अंडर मैनेजमेंट (रू) नवंबर महीने के अंत तक 6.33 लाख करोड़ रुपए रहा । इस साल फरवरी में यह 5 लाख करोड़ रुपए था। रूका मतलब निवेशकों का जितना पैसा कंपनी के पास है। इसके पास कुल AUM का करीबन 40 फीसदी AUM सरकारी पैसों की वजह से आता है।

कंपनी इस मामले में अपनी ज्वाइंट वेंचर विदेशी कंपनी आमुंडी से भी बात कर रही है। माना जा रहा है कि अगले कुछ महीने में इस आईपीओ को लाया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक, कंपनी एक अरब डॉलर जुटाने का लक्ष्य रखी है। एसबीआई म्यूचुअल फंड का वैल्यूएशन इस समय 7 अरब डॉलर यानी 52 हजार करोड़ रुपए का है। इससे पहले एसबीआई की ही एसबीआई कार्ड एंड पेमेंट सर्विसेस ने करीबन 10 हजार करोड़ रुपए पिछले साल आईपीओ के जरिए जुटाया था।

इस साल बिड़ला म्यूचुअल फंड लिस्ट हुआ था

म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में यह पांचवीं कंपनी होगी जो लिस्ट होगी। इससे पहले HDFC म्यूचुअल फंड, निप्पोन म्यूचुअल फंड, UTI म्यूचुअल फंड लिस्ट हो चुकी हैं। इस साल बिड़ला म्यूचुअल फंड चौथी कंपनी थी जो लिस्ट हुई है। पिछले 4 महीने में एसबीआई का शेयर 70 फीसदी से ज्यादा बढ़ चुका है। यह 543 रुपए तक हाल में गया था।

एसबीआई की 4 कंपनियां लिस्ट हैं

इससे पहले एसबीआई की लाइफ इंश्योरेंस कंपनी पिछले साल लिस्ट हुई थी। इस तरह से इसकी 4 कंपनियां लिस्ट हो चुकी हैं। इसमें होम फाइनेंस, लाइफ इंश्योरेंस, एसबीआई कार्ड एंड पेमेंट और एसबीआई खुद लिस्ट है। एसबीआई की इसमें हिस्सेदारी 63 फीसदी है। जबकि पैरिस की आमुंडी की बाकी हिस्सेदारी है।

सबसे पहले निप्पोन ने लाया था IPO

म्यूचुअल फंड में सबसे पहले निप्पोन म्यूचुअल फंड ने 1542 करोड़ रुपए आईपीओ से जुटाया था। इसने 2017 में आईपीओ लाया था। इसके बाद 2018 में HDFC म्यूचुअल फंड ने आईपीओ से 2800 करोड़ रुपए जुटाया जबकि पिछले साल UTI ने 1542 करोड़ रुपए इसके जरिए जुटाया था।

पांच साल में निवेशक हुए मालामाल : रिलायंस ने निवेशकों की संपत्ति सबसे ज्यादा बढ़ाई, अडाणी ट्रांसमिशन लगातार बेहतर कंपनी रही

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड पिछले पांच सालों में निवेशकों को सबसे ज्यादा फायदा देने वाली कंपनी रही है। जबकि, अडाणी ट्रांसमिशन और अडाणी एंटरप्राइज लगातार फायदा देने वाली कंपनी रही हैं।

रिपोर्ट में दी गई जानकारी

मोतीलाल ओसवाल की 26 वीं सालाना वेल्थ क्रिएशन रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इसके मुताबिक, RIL तीसरी बार सबसे ज्यादा फायदा देने वाली कंपनी बनी है। इसने 2016 से 2021 के दौरान निवेशकों की संपत्ति में 9.7 लाख करोड़ रुपए की बढ़त की है। इसके पहले 2014 से 2019 के दौरान 5.6 लाख करोड़ रुपए का फायदा इसने निवेशकों को दिया था।

तीन IT कंपनियां भी रहीं टॉप पर

रिलायंस के बाद सबसे ज्यादा वेल्थ जोड़ने वाली कंपनियों में तीन IT कंपनियां, तीन बैंक और एक फाइनेंशियल कंपनी रही। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस ने 7.29 लाख करोड़ रुपए जोड़े, जबकि ।छ्रस्नष्ट बैंक ने इसी दौरान 5.18 लाख करोड़ रुपए जोड़े। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने 3.42 लाख करोड़ रुपए और टेक कंपनी इंफोसिस ने 3.25 लाख करोड़ रुपए जोड़े। ICICI बैंक HDFC और कोटक महिंद्रा बैंक भी सबसे ज्यादा वेल्थ जोड़ने वाली कंपनियों में शामिल रहे।

रिलायंस का फायदा 5 सालों में 8 फीसदीकी दर से बढ़ा

RIL का फायदा पिछले 5 सालों में सालाना 8 फीसदी की दर से बढ़ा है। इसका शेयर का भाव इसी दौरान 31 फीसदी की दर से बढ़ा है। TCS, HDFC और हिंदुस्तान यूनिलीवर भी निवेशकों की संपत्ति को बढ़ाने में प्रमुख योगदान देने वाली कंपनी रही हैं। आंकड़े बताते हैं कि अडाणी ट्रांसमिशन 2016 से 2021 के दौरान सबसे तेजी से वेल्थ क्रिएट करने वाली कंपनी रही है। इसने सालाना 93 फीसदी की दर से रिटर्न दिया है। यानी, एक लाख रुपए का निवेश एक साल में 1.93 लाख रुपए हो गया। इसके बाद दीपक नाइट्रेट रही है। इसने सालाना 90 फीसदी कंपाउंडिंग एन्यूएल ग्रोथ रेट की दर से संपत्ति बढ़ाई है।

समय सीमा बढ़ाने की जरूरत नहीं : ऐक्सिस बैंक

नई दिल्ली। ऐक्सिस बैंक को कोविड-19 के प्रभाव से निपटने के लिए नियामक पैकेज के तहत पुनर्गठित कॉरपोरेट ऋण के वास्ते परिचालन संबंधी मापदंडों को पूरा करने के लिए समय सीमा बढ़ाने की आवश्यकता अनुभव नहीं हो रही है। ऐक्सिस बैंक के उप प्रबंध निदेशक (नामित) राजीव आनंद ने कहा कि कहा कि कुछ बैंकों द्वारा समय सीमा बढ़ाने के संबंध में चर्चा की जाती रही है। लेकिन उनकेबैंक को इसकी जरूरत नहीं दिख रही है। इसके पोर्टफोलियो में पुनर्गठित लेखा-बही छोटा है। कॉरपोरेट बैंकिंग योजनाओं पर मीडिया को संबोधित करते हुए आनंद ने कहा कि यह उम्मीदों पर खरा उतर रहा है। बैंकों ने उद्योग के संगठन - इंडियन बैंक्स एसोसिएशन के माध्यम से और अलग से भी समय सीमा को मार्च 2022 से आगे बढ़ाने के लिए मुद्दा बनाया है।

एनबीएफसी पर बैंकों जैसी सख्ती

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बड़ी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए आज त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) का ढांचा पेश किया। इसके तहत अगर किसी एनबीएफसी के प्रमुख वित्तीय मानक निर्धारित सीमा से नीचे आते हैं तो उन पर सख्त बंदिशें लगाई जाएंगी। एक तरह से बड़ी एनबीएफसी को निगरानी और नियमन के लिहाज से बैंकों के अनुरूप लाया गया है। एनबीएफसी के लिए पीसीए व्यवस्था 1 अक्टूबर, 2022 से लागू होगी और इसके लिए संबंधित एनबीएफसी की 31 मार्च, 2022 की वित्तीय स्थिति को आधार माना जाएगा। यह नियम जमा स्वीकार करने वाली सभी एनबीएफसी तथा केंद्रीय बैंक के नियमन के अनुसार मध्य, ऊपरी और शीर्ष स्तर की अन्य बड़ी एनबीएफसी पर लागू होगा। हालांकि 1,000 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ जमा स्वीकार नहीं करने वाली एनबीएफसी, प्राथमिक डीलर, सरकारी एनबीएफसी और आवास वित्त कंपनियां इसके दायरे में नहीं आएंगी। इसका मतलब यह हुआ कि यह व्यवस्था

गिनी-चुनी एनबीएफसी पर ही लागू होगी और तकरीबन 10,000 एनबीएफसी इसके दायरे से बाहर रहेंगी। हालांकि जरूरी लगने पर केंद्रीय बैंक किसी भी आकार की एनबीएफसी पर कार्रवाई कर सकता है। आरबीआई का कहना है कि एनबीएफसी क्षेत्र के बढ़ते दायरे और वित्तीय तंत्र के अन्य वर्गों के बीच काफी जुड़ाव हो गया है, जिसकी वजह से एनबीएफसी के लिए पीसीए व्यवस्था लाना जरूरी हो गई थी। केंद्रीय बैंक ने कहा कि इससे एनबीएफसी के निगरानी उपायों को आगे और मजबूती मिलेगी। आरबीआई ने कहा, %पीसीए का मकसद सही समय पर निगरानी करने के लिए दखल सुनिश्चित करना और समयबद्ध तरीके से सुधारात्मक उपाय लागू करना है ताकि संबंधित एनबीएफसी की वित्तीय सेहत दुरुस्त हो सके।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे है,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंक्डीन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अप्रकाशित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

कोविड से पहले जैसा कार्यस्थलों पर भीड़

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कार्यस्थलों पर जाने वालों की तादाद कोविड-19 महामारी के पहले के दौर के स्तर तक आ गई है। वर्ष 2020 की शुरुआत के मुकाबले यह अब 0.43 फीसदी अधिक है। देश भर में पहली बार मार्च 2020 में लॉकडाउन लगाए जाने के बाद दूसरी बार इस तरह की तेजी देखी गई है। पहली बार 31 अक्टूबर, 2021 को यह 0.71 फीसदी अधिक था। उस वक्त के बाद से इसमें गिरावट आई और अब कोविड-19 के नए स्वरूप ओमीक्रोन के उभार पर करीब से नजर रखी जा रही है। सर्च इंजन गूगल अनाम लोकेशन डेटा का इस्तेमाल करता है जिससे यह अंदाजा मिलता है कि महामारी के दौरान लोगों की गतिविधि किस तरह की है। रिटेल स्टोर पर जाने वाले लोगों की तादाद और मनोरंजन स्थलों पर जाने वाले लोगों की तादाद कोविड से पहले के स्तर से अधिक है। बिजली उत्पादन में भी 5 फीसदी की तेजी देखी गई। एक हफ्ते पहले के उत्पादन की तुलना में साप्ताहिक आंकड़ों में भी तेजी आई। देश भर के बिजली संयंत्रों में 12 दिसंबर को खत्म हुए सप्ताह के दौरान औसतन

रोजाना 359.6 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ जो एक हफ्ते पहले की 343 करोड़ यूनिट से 5 फीसदी अधिक है। पिछले हफ्ते बिजली उत्पादन 2019 के इसी हफ्ते की तुलना में 7.8 फीसदी अधिक रहा और 2020 के समान हफ्ते के बिजली उत्पादन की तुलना में 4.9 फीसदी अधिक हुआ। भारतीय रेलवे ने माल ढुलाई की मात्रा में अच्छी वृद्धि दिखाई है। ताजा आंकड़े एक हफ्ते पहले के 4.7 फीसदी की तुलना में 7.1 फीसदी हैं। माल ढुलाई से होने वाली कमाई में एक हफ्ते पहले के 6.2 फीसदी की तुलना में 11 फीसदी की वृद्धि हुई। वैश्विक लोकेशन तकनीक कंपनी टॉम टॉम इंटरनैशनल के मुताबिक, बड़े शहरों में यातायात की भीड़ पिछले हफ्ते के स्तर पर स्थिर थी। मुंबई में यातायात की भीड़, 2019 के स्तर से 29 फीसदी कम थी। वहीं नई दिल्ली के यातायात में 17 फीसदी की कमी देखी गई। बिज़नेस स्टैंडर्ड नाइट्रोजन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन पर नजर रखता है। इसका उत्सर्जन औद्योगिक गतिविधियों और वाहनों के जरिये होता है। उच्चतम स्तर तेज वृद्धि का संकेत देता है। दिल्ली उत्सर्जन 2019 के स्तर से 26 फीसदी कम है वहीं मुंबई का उत्सर्जन भी कम है। अधिकारियों की तरफ से विस्तृत डेटा जारी होने से पहले इन साप्ताहिक आर्थिक संकेतकों के माध्यम से अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति का संकेत मिल जाता है। वृहद अर्थव्यवस्था से जुड़े आधिकारिक आंकड़े अंतराल के बाद जारी होते हैं। वैश्विक स्तर पर विश्लेषक भी इसी तरह के समान संकेतकों पर नजर रख रहे हैं ताकि जमीनी स्तर के हालात का अंदाजा मिल सके क्योंकि अलग-अलग सरकारों ने कोविड-19 महामारी को नियंत्रित करने के लिए उपाय किए हैं। गूगल मोबिलिटी डेटा अंतराल के बाद जारी करती है।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।